শর্মা হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 37 | गुवाहाटी | सोमवार, 7 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम मोदी ने एसआरसीसी में विपक्ष पर साधा निशाना, नाराज फूफा ... पेज 2
अरुणाचल पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में 38 लोगों को बचाया, चार को... पेज 3
अश्विनी कुमार मिश्रा की नियुक्ति पर पंजाब सरकार का विरोध पेज 5
वनडे वर्ल्ड कप के हिटमैन रोहित शर्मा, रिकार्ड्स की दुनिया में सचिन-वार्नर ... पेज 7

गीता नगर कॉलेज की नई बिल्डिंग का उपराष्ट्रपति ने किया उद्घाटन, कहा-

नशे को अपनी सोच पर हावी होने न दें छात्र

गुवाहाटी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने पद संभालने के बाद असम की अपनी पहली यात्रा के दौरान रविवार को गीता नगर कॉलेज की नई एकेडमिक बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने चार पूर्वोत्तर राज्यों के चार दिवसीय दौरे की शुरुआत की। राधाकृष्णन ने कॉलेज की गोल्डन जुबली (स्वर्ण जयंती) के मौके पर पीएम-ऊषा स्कीम के तहत बनी इस बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस कॉलेज को पहले कन्या महाविद्यालय के नाम से जाना जाता था और यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने 50 साल पूरे कर रहा है। राधाकृष्णन ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति का पद संभालने के बाद असम की यह मेरी पहली आधिकारिक यात्रा है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी राज्य का दौरा करना चाहते थे, लेकिन असम विधानसभा चुनावों के कारण यात्रा को टालने का फैसला किया। गीता नगर कॉलेज परिवार को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कॉलेज का सफर इस बात का सबूत है कि समर्पित लोग और एक प्रतिबद्ध एकेडमिक समुदाय क्या हासिल कर सकते हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि एक साधारण शुरुआत से, संस्थान ने एक शानदार सफर तय किया -शेष पृष्ठ दो पर

युवा डॉक्टर विकसित भारत की कुंजी

चौथे एसएसयूएचएस दीक्षांत समारोह में वीपी राधाकृष्णन

गुवाहाटी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने असम की अपनी पहली यात्रा के दौरान दूसरे कार्यक्रम में रविवार को श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (एसएसयूएचएस) के चौथे दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। सभा को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के नाम पर बनी यह यूनिवर्सिटी राज्य में हेल्थ साइंसेज की शिक्षा, रिसर्च और पब्लिक हेल्थ के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान के तौर पर उभरी है। उप-राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित और स्वस्थ भारत के विजन को आगे बढ़ाने में युवा हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की अहम भूमिका है। उन्होंने पास होने वाले छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। असम में हेल्थकेयर की स्थिति पर उन्होंने कहा कि पहली बार राज्य में मातृ मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से नीचे आ गई है और इसे एक *मील का पत्थर* बताया। कैंसर के इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जल्द ही शुरू होने वाले प्रोटॉन बीम थेरेपी यूनिट का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि असम एक ऐसा समय ला रहा है जब लोग इलाज के लिए राज्य में आएंगे। ग्रेजुएट होने वाले स्टूडेंट्स को डिग्री और डिप्लोमा देने के साथ-साथ, असम के तीन डॉक्टरों को 2023, 2024 और 2025 के लिए प्रतिष्ठित *डॉ. जॉन बेरी व्हाइट अवॉर्ड* से -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मन्त्रणा की संपत्ति से ही राज्य का विकास होता है।
- आचार्य चाणक्य

ध्वंस नहीं, सृजन के लिए शिक्षा ग्रहण करें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने विद्यार्थियों से ध्वंस के बजाय सृजन पर ध्यान केंद्रित करने और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने रविवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्र की संपत्ति को नष्ट करने के बजाय उसका निर्माण और संरक्षण कैसे किया जाए, इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ध्वंस के बजाय सृजन के आनंद को अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल शिक्षा प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को अच्छे चरित्र का निर्माण करने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की भावना भी विकसित करनी होगी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने असम की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि उनका ज्ञान और अनुभव सभी को प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1977 में महिला शिक्षा और सशक्तीकरण के उद्देश्य -शेष पृष्ठ दो पर

एसएसयूएचएस के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति, राज्यपाल के साथ मुख्यमंत्री ने लिया भाग

विश्व की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम मानव संसाधन तैयार करने के लिए समर्पित होकर कार्य करे विश्वविद्यालय : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की उपस्थिति में गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित ज्योति-विष्णु अंतर्राष्ट्रीय कला मंदिर में आयोजित श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (एसएसयूएचएस) के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में भाग लिया। समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति का दायित्व भी संभाल रहे मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत किया तथा डिग्री और डिप्लोमा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दीक्षांत समारोह में डिग्री और डिप्लोमा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आने वाले दिनों में करुणा, संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें वर्ष 2007 में स्थापना के समय से ही इस विश्वविद्यालय से निकटता से जुड़े रहने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के सहयोग से राज्य में चिकित्सा शिक्षा की आधारभूत -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मप्र में जहरीली शराब से 11 मौत, आठ गंभीर

सागर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील के आसपास के गांवों में जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। 24 मरीजों का इलाज चल रहा है और आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी), सागर रेफर किया गया है। घटना की जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

देश और समाज की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : शिवराज सिंह

रायसेन (हि.स.)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा नहीं देते बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण करते हैं। देश और समाज की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री चौहान रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले मण्डीदीप में आयोजित शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : मुठभेड़ में यूकेएनए के दो उग्रवादी ढेर, दो घायल

नई दिल्ली। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में भारतीय सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी यानी यूकेएनए के दो उग्रवादी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हुए। यह कार्रवाई जिले के हेंगलेप उपमंडल के फैबोंग गांव में की गई। सुरक्षाबलों ने खुफिया सूचना मिलने के बाद इलाके में अभियान शुरू किया था। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षाबलों ने 29 अगस्त की रात फैबोंग गांव में अभियान शुरू किया। इसके बाद यूकेएनए के एक शिविर पर निगरानी रखी गई। दो सितंबर की सुबह करीब पांच बजे सुरक्षाबलों ने शिविर की -शेष पृष्ठ दो पर

एक्शन मोड में पीएम मोदी, आज शाम मंत्रियों के कामकाज की करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली। सरकार के विभिन्न क्षेत्रों में परफार्मेंस की समीक्षा के लिए कल शाम एक अहम बैठक बुलाई गई है। इसमें खास तौर पर सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण के सेक्टर पर फोकस रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में अलग-अलग मंत्रालयों, मंत्रियों और उनके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। समीक्षा बैठक के लिए सिर्फ उन राज्य मंत्रियों (एमओएस) और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों के एक वर्ग को बुलाया गया है जिनका मंत्रालय सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण से संबंधित है। जिन मंत्रालयों पर कल की बैठक में फोकस रहेगा और जिनके कामकाज की समीक्षा होगी उसमें शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, कृषि मंत्रालय आदि शामिल हैं। इसमें मंत्रियों के कामकाज का आकलन होगा। जवाबदेही पर भी चर्चा होगी। ऐसी और बैठकें भी राज्यमंत्रियों के दूसरे वर्ग के साथ आने वाले दिनों में होंगी। इन बैठकों को -शेष पृष्ठ दो पर

मुंबई : दही हांडी उत्सव में पसरा मातम

पिरामिड से गिरकर गोविंदा की मौत, 376 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के ऐरोली में दही हांडी उत्सव के दौरान मानव पिरामिड (मानव मनोरा) गिरने से 34 साल के एक गोविंदा की मौत हो गई। उनका नाम स्वप्निल सदानंद नावर बताया जा रहा है। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ये हादसा शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे हुआ। वहीं अब तक मुंबई में कुल 376 गोविंदाओं के घायल होने की बात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक ऐरोली में देवीदास सौगुले दही हांडी मंडल द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

सत्य निकेतन के पास गिरी इमारत, पांच की मौत, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

मौके पर पहुंचीं सीएम गुप्ता, अमित शाह ने बीच में छोड़ा गोवा दौरा

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 5 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 12 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना दोपहर 1:30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की -शेष पृष्ठ दो पर

पाक पंजाब को भारत से नहीं अपने ही पड़ोसी राज्यों से है ज्यादा खतरा : मरियम नवाज

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि उनके सूबे को पड़ोसी देशों से अधिक पड़ोसी सूबों से खतरा है। पाकिस्तान में विशेषकर पंजाब से सटे खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सूबों में गत वर्षों के दौरान आतंकी गतिविधियों में काफी बढ़ी हैं। पंजाब सूबे की सीमा भारत से भी लगती है। मरियम ने शनिवार को लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब में आतंकवाद राज्य की सीमाओं से दाखिल होता है। दुख की बात यह है कि 13 करोड़ की आबादी वाले पंजाब को जो खतरा है, वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी राज्यों से अधिक है। पंजाब की मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पड़ोसी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का जिक्र करते हुए कहा कि वहां से पंजाब में आतंकवाद आता है। सबकी नजरें पंजाब पर हैं, लेकिन ईश्वर का शुक्र है कि पंजाब सुरक्षित है। हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है, वे हमारी सभी प्रांतीय सीमाओं से आते हैं। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में सत्तारूढ़ प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

असम-मेघालय सीमा पर 50 हजार बर्मीज सिगरेट जब्त, एक गिरफ्तार

कछार (हिंस) । असम-मेघालय सीमा स्थित दिगोरखाल चेक पोस्ट पर शनिवार को पंजीकरण संख्या एमएच 46 बीएम 4238 वाले एक वाहन को रोककर तलाशी ली गई। कछार पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गहन तलाशी के दौरान वाहन के एक गुप्त चैंबर से बर्मी सिगरेट के 250 मध्यम आकार के पैकेट बरामद किए गए। प्रत्येक पैकेट में 200 सिगरेट थीं, जिससे कुल 50,000 सिगरेट जब्त की गईं। मामले में मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स निवासी जीतू आर मराक को हिरासत में लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। उधर सोनापुर टोलगेट के पास आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब जब्त की है। गुप्त सूचना के आधार पर आबकारी अधिकारी प्रीतम पुरकायस्थ के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। आबकारी विभाग के सूत्रों ने आज बताया कि कार्रवाई के दौरान मेघालय से अवैध रूप से शराब लेकर आ रहे एएस01 डीडी3677 नंबर के एक ट्रक को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान ट्रक से करीब 800 कार्टून बीयर बरामद की गई।

पीएम मोदी ने एसआरसीसी में विपक्ष पर साधा निशाना, *नाराज फूफा* से की आलोचकों की तुलना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 2013 के भारत और आज के भारत की तुलना करते हुए, कहा कि देश पिछले एक दशक में आर्थिक और सामाजिक तौर पर मजबूत हुआ है और आज ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। अपने भाषण में पीएम मोदी ने विपक्ष और सरकार की नीतियों के आलोचकों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की आदत बन गई है कि वे हर काम पर सवाल उठाते हैं कि इसकी जरूरत क्या है? पीएम ने ऐसे आलोचकों की तुलना परिवार के उस *नाराज फूफा* से की, जिन्हें हर चीज में कमी नजर आती है। पीएम मोदी ने कहा कि जब देश में दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा बनाई जा रही थी, तब भी सवाल उठाए गए थे। इसी तरह बुलेट ट्रेन, यूपीआई, सेमीकंडक्टर और नए संसद भवन जैसे प्रोजेक्ट्स को लेकर भी आलोचना हुई। उन्होंने कहा कि आज इन्हीं पहलों ने भारत की क्षमता और विकास की तस्वीर बदलने में योगदान दिया है। पीएम मोदी ने अपने 15 अगस्त के लाल किले के भाषण का जिक्र करते हुए *दिमागी नक्सल* शब्द पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने आलोचकों को *होम्योपैथिक दवा* दी थी और उनके बयान के बाद कई लोगों की सोच सामने आ गई। पीएम ने इस दौरान देश के विकास को लेकर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एसआरसीसी के छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें 2013 का भारत याद करना चाहिए। उन्होंने उस समय की आर्थिक चुनौतियों, आतंकवादी हमलों और देश के सामने मौजूद दूसरी समस्याओं का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत पहले के मुकाबले ज्यादा आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने अपनी बात रख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पिछले करीब एक दशक में लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उनके मुताबिक, नए बाजार खुलने से देश के युवाओं और कारोबारियों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की मौजूदा आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों का असर अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। एक अन्य संबोधन में पीएम मोदी ने भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2013 में भारत को *फ्रैजाइल फाइव* अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, जबकि आज देश की आर्थिक स्थिति पहले से काफी बेहतर है। पीएम मोदी का एसआरसीसी से पुराना जुड़ाव रहा है। वह करीब 13 साल बाद दोबारा इस कॉलेज पहुंचे।

नाराज फूफा बयान पर भड़की कांग्रेस, मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- युवा भी लेकर खड़े हैं रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *नाराज फूफा* वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए नए-नए विशेषण देना उनकी राजनीति का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री ऐसे बयानों के जरिए सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी के भाषण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एसआरसीसी का कार्यक्रम देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर चर्चा करने का मौका था, लेकिन प्रधानमंत्री का भाषण एक बार फिर राजनीतिक अभियान में बदल गया। खरगे ने आरोप लगाया कि युवाओं के सवालों का जवाब देने के बजाय प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधने के लिए नए राजनीतिक विशेषणों का इस्तेमाल किया। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री की कथित *मोडस ऑपरेंडी* पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतंत्र में सवालों को दबाने और विपक्ष के लिए नए-नए नाम गढ़ने की राजनीति करती है। इस दौरान खरगे ने *नाराज फूफा, दिमागी नक्सल, अर्बन नक्सल, खान मार्केट गैंग, आंदोलनजीवी* और *परजीवी* जैसे शब्दों का जिक्र किया। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों और कथित जनविरोधी मुद्दों में बदलाव नहीं आया है, लेकिन विपक्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द हर साल बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सामने बेरोजगारी, लंबे समय से अटकी सरकारी भर्तियां, पेपर लीक, महंगी होती शिक्षा, छात्रवृत्ति के घटते अवसर और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता जैसे कई सवाल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के जरिए अपना *रिपोर्ट कार्ड* दिखाया है, लेकिन देश के युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़े हैं। खरगे ने सवाल उठाया कि युवाओं के इन मुद्दों और सवालों पर सरकार की ओर से क्या जवाब दिया जा रहा है।

वाराणसी में विधायक पर फूटा जनता का गुस्सा जमकर लगे मुर्दाबाद के नारे, जेई को बनाया बंधक

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के अलग-अलग क्षेत्र इन दिनों बारिश का और सीवर का पानी जमा होने की वजह से बेहाल नजर आ रहा है। अब इसको लेकर जनता का गुस्सा स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारियों पर देखा जा रहा है। दरअसल वाराणसी के कश्मीरी गंज इलाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें बारिश और सीवर का पानी जमा होने की शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे विधायक को लोगों के गुस्सा का सामना करना पड़ा। साथ ही लोगों ने जेई दीपक कुमार को भी बंधक बना लिया। विधायक के खिलाफ क्षेत्रीय लोगों ने जमकर नारेबाजी की और मुर्दाबाद के नारे लगाए। लोगों ने बताया की दस दिन से सीवर का पानी ओवर फ्लो कर रहा है लेकिन कोई सुनवाई नही हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खोजवां क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो की समस्या के कारण गंदा पानी गलियों और सड़कों पर फैल रहा है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वहीं लंबे समय से जमा गंदे पानी के कारण आसपास के लोगों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि स्थिति इतनी खराब हो गई है कि घरों से निकलना तक मुश्किल हो रहा है। वाराणसी के खोजवां इलाके के कश्मीरी गंज क्षेत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें बारिश और सीवर का पानी जमा होने की वजह से लोग काफी आक्रोशित नजर आ रहे है। इस दौरान मौके पर पहुंचे स्थानीय विधायक सौरभ श्रीवास्तव के खिलाफ लोगों की नाराजगी भी देखी गई। उनके पहुंचते ही लोगों ने मुर्दाबाद के नारे लगाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते कई दिनों से यह समस्या बनी हुई है लेकिन इसके बाद भी इसकी सुध नहीं ली जा रही है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने मौके पर पहुंचे जलकल विभाग के अधिकारी को घेर लिया और कुछ घंटों के लिए बंधक बना लिया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.144PSC/E-1/2025-2026

NOTIFICATION

In partial modification of this office Notification no.124PSC/E-1/2025-2026 dated 3rd August, 2026 in connection with Programme for Forest Ranger Examination-2025, it is for information of all concerned that the examination scheduled on 12.9.2026 (Saturday) is hereby rescheduled due to administrative inconveniences.

Accordingly, the examination will now be held on **14.9.2026 (Monday)** instead of 12.9.2026. The venue, subjects and time for the said examination will remain the same.

Further, no separate E-Admission certificate will be issued for the rescheduled date. The E-Admission certificate already downloaded will be valid for the said examination on 14.9.2026.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/ VBS-60/7-Sep-26

पृष्ठ एक का शेष

नशे को अपनी ...

है। उन्होंने कॉलेज की संस्थापक प्रिंसिपल और मशहूर शिक्षाविद् व पद्म श्री पुरस्कार विजेता इंदिरा मिरी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि संस्थान के इतिहास में कई अग्रणी महिला नेताओं का योगदान रहा है, जिनमें असम की पहली महिला एसीएस अधिकारी सुचिब्रता रायचौधरी भी शामिल हैं, जिन्होंने कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की सेक्रेटरी के तौर पर काम किया। उन्होंने कहा कि वे साहस और जनसेवा की उस भावना का प्रतिनिधित्व करती हैं जो गीता नगर कॉलेज की पहचान का मुख्य हिस्सा रही है। उपराष्ट्रपति ने छात्रों से ड्रग्स से दूर रहने और सोशल मीडिया के इस्तेमाल में संयम बरतने की भी अपील की। उन्होंने छात्रों से कहा कि युवाओं को ड्रग्स जैसी बाहरी ताकतों को अपनी सोच तय नहीं करने देनी चाहिए। इसके बाद कार्यक्रम में ड्रग्स के दुरुपयोग के खिलाफ शपथ दिलाई गई। सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर राधाकृष्णन ने संयम बरतने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर चीज की अपनी सीमा होती है। हमें उन सीमाओं के भीतर ही उनका इस्तेमाल करना चाहिए। असम की बात करते हुए उपराष्ट्रपति ने राज्य को *पूरे पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार* बताया। उन्होंने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की विरासत, नव-वैष्णव परंपरा और असम की भाषाओं, साहित्य, संगीत, नृत्य, थिएटर और स्थानीय परंपराओं की विविधता का जिक्र किया। उन्होंने लचित बरफूकन की विरासत को भी याद किया और कहा कि असम की चाय राज्य के सबसे मशहूर योगदानों में से एक है। उन्होंने कहा कि अपने ऑफिस या राज्यसभा में भी, मैं हमेशा असम की चाय ही मांगता हूं। ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ का जिक्र करते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उन्हें राहत और पुनर्वास के कामों के साथ-साथ भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए बनाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज असम तरक्की और बदलाव के एक शानदार दौर से गुजर रहा है, और कहा कि राज्य एक *आत्मविश्वासी, महत्वाकांक्षी और जुड़ा हुआ राज्य* बनकर उभर रहा है।

युवा डॉक्टर विकसित...

सम्मानित किया गया। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) के डॉ. बिकी दत्ता को 2023 का अवॉर्ड मिला, जबकि तेजपुर मेडिकल कॉलेज की डॉ. भाग्यश्री मोदी को 2024 के लिए सम्मानित किया गया। डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एएमसीएच) के डॉ. प्रीतम डेका को 2025 का अवॉर्ड मिला। समाजसेवी डॉ. जॉन बेरी व्हाइट के नाम पर एसएसयूएचएस द्वारा शुरू किया गया यह अवॉर्ड हर साल राज्य के सबसे अच्छे एमबीबीएस ग्रेजुएट को दिया जाता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ग्रेजुएट होने वाले स्टूडेंट्स को बधाई दी और उनकी कामयाबी में शिक्षकों, फैकल्टी सदस्यों और माता-पिता के योगदान को सराहा। शर्मा ने कहा कि हर बच्चे की कामयाबी के पीछे उनके माता-पिता की अपार मेहनत और त्याग होता है। उन्होंने आगे कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल औपचारिक शिक्षा के पूरा होने का प्रतीक है, बल्कि ग्रेजुएट होने वालों के लिए एक नए सफर की शुरुआत भी है।

ध्वंस नहीं, सृजन ...

से शुरू हुआ गीतानगर कॉलेज, जिसे पहले गीतानगर गर्ल्स कॉलेज के नाम से जाना जाता था, ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समारोह के दौरान पीएम-उषा के तहत नवनिर्मित शैक्षणिक भवन विद्यार्थियों को समर्पित किया गया। साथ ही कॉलेज में वाणिज्य शिक्षा शुरू करने के लिए राज्य सरकार की ओर से तीन करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने की दिशा में कदम उठाने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल, उद्यमिता, नवाचार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का ज्ञान हासिल कर *आत्मनिर्भर भारत* और *आत्मनिर्भर असम* के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विश्व की जरूरतों को ...

संरचना के निर्माण और पाठ्यक्रमों के आधुनिकीकरण के माध्यम से व्यापक परिवर्तन की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में असम मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली समारोह के दौरान चिकित्सा शिक्षा के दूरदर्शी मार्गदर्शक डॉ. जॉन बेरी व्हाइट के नाम पर एमबीबीएस अंतिम परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी के लिए एक विशेष पुरस्कार की घोषणा की गई थी। आज के समारोह में यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ स्नातक डॉ. विकी दत्ता, वर्ष 2024 की डॉ. भाग्यश्री मोदी और वर्ष 2025 के डॉ. प्रीतम डेका को उन्होंने बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनकी शैक्षणिक उपलब्धियां पूर्वोत्तर में चिकित्सा शिक्षा के दूरदर्शी मार्गदर्शक की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने के साथ राज्य में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र को भी प्रेरित करेंगी। देश में चिकित्सा शिक्षा की बढ़ती लोकप्रियता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में देशभर में मेडिकल शिक्षा के इच्छुक परीक्षार्थियों की संख्या 14 लाख थी, जो वर्ष 2026 में बढ़कर लगभग 20 लाख हो गई है और इनमें से लगभग 56 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इसके विपरीत, देश में वर्तमान में केवल 1,39,864 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इसके कारण विद्यार्थियों को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए काफी कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 846 हो गई है। इसी प्रकार एमबीबीएस सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1,39,864 और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या 31,185 से बढ़कर 86,360 हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व परिवर्तन का असम गौरवपूर्वक प्रतिनिधित्व कर रहा है। राज्य में चिकित्सा आधारभूत संरचना के अभूतपूर्व विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद के पहले पांच दशकों में असम में केवल तीन मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 14 हो गई है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चराइदेउ, विश्वनाथ, गोलाघाट, मरिगांव, तामुलपुर, धेमाजी, शिवसागर, श्रीभूमि और ग्वालपाड़ा में नौ अन्य मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं बोजाली, हैलाकांदी, होजाई और माजुली में भी नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में असम के 14 मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की कुल 1,875 सीटें हैं। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा असम के 15वें मेडिकल कॉलेज के रूप में बंगाईगांव मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दिए जाने के बाद राज्य में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या बढ़कर 1,975 हो गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय श्रम मंत्रालय के अधीन गुवाहाटी स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज को भी शामिल करने पर राज्य में वर्तमान में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 16 हो गई है और कुल एमबीबीएस सीटों की संख्या 2,000 को पार कर गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के सरकारी प्रयासों के परिणामों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ समय में राज्य में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में संस्थागत प्रसव की दर 98 प्रतिशत और बच्चों के टीकाकरण की दर 95 प्रतिशत से अधिक हो गई है।राज्य में कैंसर उपचार के क्षेत्र में उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा ट्रस्ट के सहयोग से असम कैंसर केयर फाउंडेशन के अंतर्गत 3,700 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 17 अस्पतालों में से 12 पहले ही लोगों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। समारोह में चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान आदि विभाग के मंत्री अशोक सिंघल, शिक्षा मंत्री डॉ. रणोज पेगू, कई विधायक, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप कुमार बर्मन सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएं, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

मणिपुर : मुठभेड़ में यूकेएनए...

ओर रणनीतिक तरीके से बढ़ना शुरू किया। सुबह करीब 5:30 बजे यूकेएनए के सदस्यों ने कथित तौर पर बिना किसी दिशा के गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने नियंत्रित तरीके से गोलीबारी की। असम राइफल्स के अनुसार, खुफिया जानकारी से दो यूकेएनए कैडरों के मारे जाने और दो के घायल होने की पुष्टि हुई। इसके बाद शिविर में तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान दो एमए राइफल, एक एके-56 राइफल, एक लाथोड गन, सात लाथोड ग्रेनेड, 15 एके मैगजीन, 371 एके-56 कारतूस, 601 एमए राइफल के कारतूस और 172 एसएलआर कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा 15 लड़ाकू वर्दियां और सात गोला-बारूद रखने वाली पाउच भी मिलीं। यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी यानी यूकेएनए उन कुकी और जोमी सशस्त्र संगठनों में शामिल नहीं है, जिन्होंने केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुछ कुकी-जोमी संगठनों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस यानी अभियान निलंबन समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ऐसे में इस संगठन के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई अलग सुरक्षा अभियान के तौर पर की गई। मुठभेड़ के बाद भी आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान जारी है। असम राइफल्स ने बताया कि आसपास के जंगलों में अभियान अभी जारी है। इसका मकसद इलाके में मौजूद संभावित उग्रवादियों और हथियारों की तलाश करना है। मुठभेड़ के बाद बरामद हथियार और बड़ी संख्या में कारतूस सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अहम बरामदगी माने जा रहे हैं। फिलहाल सुरक्षाबल पूरे इलाके में निगरानी और तलाशी अभियान चला रहे हैं।

एक्शन मोड में पीएम ...

राज्यमंत्रियों की परफार्मेंस से भी जोड़ा जा रहा है जिसका भविष्य में होने वाली कैबिनेट फेरबदल में भी असर देखने को मिल सकता है। कैबिनेट विस्तार के समय ऐसा पहले से होता आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर में जल शक्ति मंत्रालय के दो दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा था कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को तय समय में लागू किया जाना चाहिए। साथ ही, इन कामों की लगातार समीक्षा भी होनी चाहिए, ताकि जरूरत के मुताबिक सुधार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने शहरों की बढ़ती आबादी और भविष्य में पानी की जरूरत जैसी चुनौतियों को लेकर स्थानीय निकायों को जागरूक करने की बात कही। उन्होंने शहरी इलाकों में पानी की जरूरत को ध्यान में रखते हुए बेहतर तैयारी करने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाने वाली तकनीकों को ज्यादा अपनाने को कहा। उन्होंने भारतीय निर्माताओं और संबंधित लोगों को बेहतर और असरदार समाधान विकसित करने और उन्हें बड़े पैमाने पर लागू करने में मदद करने के लिए खास प्रदर्शनियों और वर्कशॉप का सुझाव दिया। इनके जरिए दुनिया भर के बेहतरीन तरीकों की जानकारी भी शामिल हो।

पिरामिड से गिरकर ...

आयोजित कार्यक्रम के दौरान शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे गोविंदाओं का मानव पिरामिड अचानक गिर गया। इस हादसे में स्वप्निल सदानंद नावर नाम के एक गोविंदा की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक घणसोली गांव के रहने वाले थे। गोविंदा पथक द्वारा दही हांडी फोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक असंतुलित होकर गिर गया, जिसमें स्वप्निल गंभीर रूप से घायल हो गए। वो घटनास्थल पर ही खून से लथपथ होकर बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद घणसोली के कोलीवाड़ा परिसर में शोक की लहर फैल गई है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही रबाले पुलिस थाने के अधिकारी फौरन मौके पर पहुंचे। रबाले पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है। इस घटना से लोगों में शोक की लहर छा गई। उत्सव के दौरान हुई इस घटना ने हर किसी को दुखी कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान अब तक 376 गोविंदा घायल हुए हैं, जिनमें 37 का इलाज जारी है। महानगर के विभिन्न सरकारी और बीएमसी अस्पतालों से मिली जानकारी के अनुसार, कुल 376 गोविंदा घायल हुए हैं। इनमें से 53 अस्पताल में भर्ती हैं, 37 का इलाज जारी है, जबकि 286 गोविंदाओं को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। सेंट्रल मुंबई (सीटी) अस्पताल: 183 घायल, 29 भर्ती, 23 का इलाज जारी, 131 को छुट्टी। ईस्टर्न सबर्ब्स (ईएस) अस्पताल: 62 घायल, 11 भर्ती, कोई मरीज उपचाराधीन नहीं, 51 को छुट्टी। वेस्टर्न सबर्ब्स (डब्ल्यूएस) अस्पताल: 126 घायल, 9 भर्ती, 14 का इलाज जारी, 103 को छुट्टी। सबसे ज्यादा घायल गोविंदा केईएम, नायर अस्पताल, सायन अस्पताल, राजावाड़ी अस्पताल, बीडीबीए अस्पताल, एचबीटी ट्रॉमा अस्पताल और वी। देसाई अस्पताल में पहुंचे हैं। केईएम अस्पताल: 76 घायल पहुंचे थे, जिनमें से 58 को छुट्टी दे दी दई वहीं 18 भर्ती हैं। वहीं नायर अस्पताल में 32 घायल पहुंचे, जिनमें 29 को छुट्टी मिल गई वहीं 3 का इलाज जारी है। इसी तरह अन्य अस्पतालों का भी हाल है।

सत्य निकेतन के पास...

हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है। सत्य निकेतन दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास बसा प्रमुख छात्र इलाका है। यहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी और हॉस्टल में रहते हैं। इलाके में कई छात्र आवास हैं और आसपास वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज और मैत्रेयी कॉलेज जैसे संस्थान हैं। इसी वजह से यहां दिनभर छात्रों की आवाजाही रहती है। हालांकि, सत्य निकेतन में कुल कितने छात्र रहते हैं, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इधर पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना बेहद दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के मुताबिक, दमकल की 8 गाड़ियां और अलग-अलग विभागों की कई बचाव टीमें मौके पर तैनात हैं। दिल्ली पुलिस ने भी इलाके की घेराबंदी कर दी है। आपातकालीन कर्मी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। वहीं सत्य निकेतन हादसे की जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपना तीन दिवसीय गोवा दौरा बीच में ही रद्द कर दिया और दिल्ली के लिए रवाना हो गए। शाह को रविवार को गोवा के चिम्बेल में नवनिर्मित भाजपा प्रदेश कार्यालय भवन का उद्घाटन करना था। हालांकि, दिल्ली में इमारत गिरने की घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हादसे पर दुख जताया। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली पुलिस आयुक्त और एनडीआरएफ के महानिदेशक से बात कर घटना की जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें आपसी तालमेल के साथ राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। घायलों को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गृह मंत्री ने हादसे में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी हादसे पर चिंता जताते हुए कहा कि डीडीएमए, एनडीआरएफ, दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, एमसीडी, कैट्स और सिविल डिफेंस की टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर हादसे से सटी इमारत को भी खाली करा लिया गया है। मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावित परिवारों को तत्काल मदद पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सभी संबंधित एजेंसियां आपसी तालमेल से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उधर नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने एक्स पोस्ट करते करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में इमारत गिरने की खबर बेहद चिंताजनक है। मलबे में डीयू के छात्रों के दबे होने की जानकारी सामने आ रही है। छात्रों और आम लोगों की सुरक्षा के साथ लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने डीयू प्रशासन और सरकार तुरंत युद्धस्तर पर राहत-बचाव कार्य चलाएं, हर छात्र और व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालें और इस घटना की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करें। छात्रों की जान के साथ लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पाक पंजाब को भारत ...

तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता ने पंजाब की मुख्यमंत्री की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे *अपमानजनक* बताया। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष एवं पीटीआई के वरिष्ठ नेता असद कैसर ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा के बारे में मरियम नवाज की अपमानजनक और व्यंग्यात्मक टिप्पणियां बेहद शर्मनाक हैं और इनकी बिना किसी शर्त के निंदा की जानी चाहिए। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि मरियम की बातों से उस श्रेष्ठता की भावना को और बल मिलता है, जिसने लंबे समय से पाकिस्तान के विभिन्न प्रांतों में असंतोष की भावना को हवा दी है।

मप्र में जहरीली ...

मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल, एसपी अनुराग सुजानिया सहित वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन ने प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात घूघर, नौराज, गूगरा खुर्द, बराज और आसपास के क्षेत्रों में कुछ लोगों ने शराब का सेवन किया था। इसके बाद कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें बंडा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद कुछ लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कई मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर किया गया। अस्पताल पहुंचे मरीजों में कुछ के शरीर नीले पड़ने और अकड़न की शिकायत सामने आई। डॉक्टरों की निगरानी में मरीजों का इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद रविवार सुबह से स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचकर शराब का सेवन करने वाले लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि जिन लोगों ने पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब का सेवन किया है, वे लक्षण नहीं होने पर भी एहतियात के तौर पर स्क्रीनिंग कराएं।

देश और समाज की ...

का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री चौहान तथा क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा ने शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने सम्मानित शिक्षकों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक पटवा ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को रायसेन जिले में मण्डीदीप स्थित शासकीय सिविल अस्पताल में नवनिर्मित सुसज्जित ओपीडी ब्लॉक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, वर्धमान ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजीव आंगरा भी उपस्थित रहे। वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड मण्डीदीप द्वारा सीएसआर फंड अंतर्गत इस ओपीडी ब्लॉक का निर्माण कराया गया है, जिसमें पांच कक्ष है। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान तथा विधायक पटवा ने ओपीडी ब्लॉक का निरीक्षण किया। साथ ही अस्पताल परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने वर्धमान ग्रुप को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका यह परोपकारी प्रयास आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा। नागरिकों को बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने सीएमएचओ से सिविल अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टर्स की उपलब्धता, सहायक उपकरण, नवनिर्मित ओपीडी ब्लॉक में मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी लेते हुए कहा कि सिविल अस्पताल में और अधिक स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। जिससे कि मरीजों को और अधिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले और उन्हें इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता ना पड़े। कार्यकम में विधायक सुरेंद्र पटवा ने कहा कि सिविल अस्पताल मंडीदीप में वर्धमान टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड मंडीदीप द्वारा चेयरमैन एवं पद्मविभूषण एसपी ओसवाल के सहयोग से 56 लाख रुपए की लागत से निर्मित 5 नवीन ओपीडी कक्षों का शुभारंभ हुआ है।

लम्पी में जनगणना में मेघालय समर्थकों ने डाला व्यवधान

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप जिले के लम्पी स्थित नोआपाड़ा एलपी स्कूल में चल रही जनगणना के दौरान कुछ मेघालय समर्थकों द्वारा कथित रूप से बाधा डालने का मामला सामने आया है। गणना के दौरान गांव प्रधान चांकीओ मराक और आरथुच चांगमाई ने मेघालय पुलिस के साथ मिलकर गणना प्रक्रिया में कथित तौर पर हस्तक्षेप किया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची असम पुलिस की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया। घटना को लेकर विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

अखिल गोगोई ने कांग्रेस से कब निभाई दोस्ती ? : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। राइजर दल के अध्यक्ष एवं विधायक अखिल गोगोई पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई ने सीटों पर समझौते के थोड़े समय को छोड़कर लगातार कांग्रेस की आलोचना की है। गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि अखिल गोगोई विधानसभा के भीतर भाजपा के खिलाफ आक्रामक और बाहर नरम रुख अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब इन बयानों पर ध्यान न देकर जनता के वास्तविक मुद्दों पर काम कर रही है।

अरुणाचल पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में 38 लोगों को बचाया, चार को गिरफ्तार किया

इटानगर। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने मानव तस्करी की जांच में 34 बच्चों सहित 38 लोगों को बचाया है और चार कथित दलालों को गिरफ्तार किया है। बचाए गए बच्चों का पता अरुणाचल प्रदेश के कई स्थानों पर लगाया गया, जिनमें आलो, मेचुका, पासीघाट, नाहरलागुन, इटानगर और लोंगडिंग शामिल हैं, साथ ही पड़ोसी असम के कुछ हिस्सों में भी। यह जांच पिछले महीने नामसाई पुलिस स्टेशन में दर्ज मानव तस्करी के एक मामले से जुड़ी है। नामसाई के उप पुलिस अधीक्षक केंगो दिरची इस जांच का नेतृत्व कर रहे हैं और यह जांच पुलिस अधीक्षक संगे थिनले के पर्यवेक्षण में, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) के समन्वय से की जा रही है। भारतीयमनोरंजन समाचार थिनले के अनुसार, पुलिस ने अब तक तस्करी में मदद करने के संदेह में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। रुपाली पदुंग को हाल ही में गिरफ्तार किया गया है, और पीड़ितों को लाने-ले जाने और अवैध रूप से रखने में उनकी कथित संलिप्तता की जांच जांच के हिस्से के रूप में की जा रही है। भारतीय मनोरंजन समाचार पुलिस अब इस ऑपरेशन में कथित तौर पर शामिल व्यापक नेटवर्क की पहचान करने के लिए काम कर रही है। जांचकर्ता वित्तीय लेनदेन, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और संभावित अन्य कड़ियों की जांच कर रहे हैं, साथ ही साथ माता-पिता, अभिभावकों और उन लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं जिनके स्थानों पर कुछ पीड़ितों को कथित तौर पर रखा गया था। अधिकारियों ने कहा कि जांच के दौरान जुटाए गए सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि बचाए गए बच्चों को सीडब्ल्यूसी और डीसीपीयू के माध्यम से देखभाल और संरक्षण मिल रहा है, साथ ही उन्हें परामर्श और पुनर्वास सहायता भी प्रदान की जा रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच जारी रहने के कारण अधिकारियों ने कानूनी प्रावधानों के अनुसार बचाए गए नाबालिगों की पहचान के संबंध में कड़ी गोपनीयता बनाए रखी है।

ग्वालपाड़ा में जंगली हाथी के हमले में असम पुलिसकर्मी की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले के डाकुरभिटा में जंगली हाथी के हमले में 17वीं असम पुलिस बटालियन के हवलदार अमजद अली की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अमजद अली रविवार तड़के रात की गश्त पूरी कर कैंप लौट रहे थे। इसी दौरान झुंड से अलग हुआ एक जंगली हाथी आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गया और उसने उन पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल अमजद अली को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में मानव-हाथी संघर्ष को लेकर चिंता बढ़ गई है।

आरएसएस ने गुवाहाटी में आयोजित किया *युवा सम्मेलन*

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षभर आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत रविवार को गुवाहाटी के बरबाड़ी स्थित सुदर्शनालय में *युवा सम्मेलन* का आयोजन किया गया। संघ के माधव नगर के तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन में करीब 200 युवाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आरएसएस के क्षेत्र प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील महांती और असम सरकार के शिक्षा निदेशालय के अधिकारी एवं माधव नगर के कार्यवाह अमृतज्योति महंत बतौर प्रमुख अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माधव नगर के बौद्धिक प्रमुख रंजू टेरोन द्वारा अतिथियों के परिचय से हुई। इसके बाद कॉटन विश्वविद्यालय के छात्र एवं युवा कलाकार शुभजीत कलिता ने बरगीत प्रस्तुत किया। युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. सुनील महांती ने स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, आदि शंकराचार्य, नचिकेता, भक्त प्रह्लाद, तिलेश्वरी बरुवा, कनकलता बरुवा, खुदीराम बोस और झांसी की रानी सहित विभिन्न वीर-वीरांगनाओं के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को सही दिशा प्रदान करने तथा युवा शक्ति को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करने पर जोर दिया। डॉ. महांती ने राष्ट्र निर्माण

के उद्देश्य से निस्वार्थ भाव से देश सेवा में जुटे आरएसएस के हजारों युवा स्वयंसेवकों की भूमिका का उल्लेख करते हुए नई पीढ़ी से राष्ट्र सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। इसके बाद खुले प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. सुनील महांती ने युवाओं के विभिन्न सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में माधव नगर के स्वयंसेवकों ने शाखा की गतिविधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। अंत में संघ की प्रार्थना के साथ युवा सम्मेलन का समापन हुआ।

असम में ऑपरेशन-420 जारी, श्रीभूमि में 13 ठग गिरफ्तार

श्रीभूमि (हिंस)। असम में ठगों और जालसाजों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन-420 लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत श्रीभूमि पुलिस ने एक बार फिर ठगी के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया है। श्रीभूमि पुलिस के अनुसार, अब तक कुल 13 ठगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोप है कि गिरफ्तार आरोपित खुद को पुलिसकर्मी और अधिवक्ता बताने के अलावा विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल कर आम लोगों के

साथ धोखाधड़ी करते थे। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

एसएसबी के *जी* कंपनी का होजाई में नि:शुल्क फिजियोथेरेपी जांच शिविर

होजाई (हिंस)। 1वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर की *जी* कंपनी द्वारा होजाई में रविवार को नि:शुल्क फिजियोथेरेपी जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन हेल मोशन फिजियोथेरेपी क्लिनिक, होजाई द्वारा 1वीं बटालियन एसएसबी, सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर के दौरान *जी* कंपनी के जवानों की मांसपेशियों और जोड़ों से संबंधित विभिन्न शारीरिक समस्याओं की जांच की गई। विशेषज्ञों ने जवानों को शारीरिक फिटनेस बनाए रखने, दर्द एवं चोट से बचाव, दैनिक जीवन में सही शारीरिक मुद्रा बनाए रखने तथा उचित व्यायाम करने के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया। इस अवसर पर हेल मोशन फिजियोथेरेपी क्लिनिक, होजाई के डॉ. आशीष सील, डॉ. सनेहा पाल और उनकी टीम मौजूद रही। टीम ने जवानों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें आवश्यक फिजियोथेरेपी एवं स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी। शिविर में एसएसबी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस, चोट से बचाव तथा फिजियोथेरेपी देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। *जी* कंपनी के सभी जवानों ने हेल मोशन फिजियोथेरेपी क्लिनिक, डॉ. आशीष सील और उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वस्थ और फिट जवान किसी भी मजबूत सुरक्षा बल की आधारशिला होते हैं।

रंगिया रेलवे स्टेशन पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

रंगिया (विभास)। 6 सितंबर 2026 को रंगिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 के तह्श्व छोर पर एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद हुआ है। मृतक की आयु लगभग 60 वर्ष बताई जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां जांच पूरी होने के बाद इसे रंगिया रेलवे स्टेशन के शवगृह में 72 घंटे तक रखा जाएगा। इस दौरान परिवार के सदस्य या परिजन शव की पहचान कर सकते हैं। रेलवे प्रशासन और पुलिस ने मृतक को पहचानने वाले किसी भी व्यक्ति से तुरंत संपर्क करने की अपील की है।

अखिल गोगोई का रकीबुल, रिपुन और वाजेद अली चौधरी पर हमला

गुवाहाटी (हिंस)। राइजर दल के नेता और विधायक अखिल गोगोई ने कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेताओं-रकीबुल हुसैन, रिपुन बोरा और वाजेद अली चौधरी-पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक ये नेता कांग्रेस में रहेंगे, तब तक पार्टी असम में सत्ता में वापस नहीं आ सकती। अखिल गोगोई ने रकीबुल हुसैन पर काजीरंगा

से जुड़े कथित कुकर्मों में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ऊपरी असम के लोग रकीबुल हुसैन जैसे नेताओं को स्वीकार नहीं करेंगे। गठबंधन टूटने के बाद भी कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए गोगोई ने पार्टी को *गली-सड़ी पार्टी* और भ्रष्टाचारियों का दल करार दिया। उन्होंने कहा कि रकीबुल हुसैन, रिपुन बोरा और वाजेद अली चौधरी जैसे नेताओं के रहते कांग्रेस के लिए असम की सत्ता में वापसी मुश्किल है।

शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यहां ज्योति विष्णु अंतर्राष्ट्रीय कला मंदिर में श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी उपस्थित थे। स्नातक होने वाले छात्रों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ता का परिणाम है, बल्कि जिम्मेदारी और सेवा के एक नए अध्याय की शुरुआत भी है। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखे जाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने कहा कि मानवता, सामाजिक चेतना, सद्भाव और हर व्यक्ति के प्रति सम्मान की उनकी शिक्षाएं स्वास्थ्य सेवा की मूल भावना-यानी मानव जीवन के प्रति सम्मान-से गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने स्नातक होने वाले छात्रों से चिकित्सा

ज्ञान और पेशेवर उत्कृष्टता के साथ-साथ करुणा और संवेदनशीलता को भी अपनाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि असम स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है, जिसमें मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग संस्थानों का विस्तार, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और उन्नत उपचार सुविधाओं की बेहतर उपलब्धता शामिल है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव का अंतिम उद्देश्य आम लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में लगभग 600 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक प्रोटॉन बीम थेरेपी सुविधा स्थापित करने की पहल का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने इसे असम की स्वास्थ्य सेवा यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा उन्नत कैंसर उपचार के लिए राज्य की क्षमता को मजबूत करेगी और असम तथा पूरे पूर्वोत्तर के मरीजों के लिए नई उम्मीद जगाएगी। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को बधाई दी। राज्यपाल श्री आचार्य ने आगे कहा कि स्वास्थ्य सेवा एक संवेदनशील और नेक क्षेत्र है, जहां हर मरीज पूरे परिवार की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने युवा पेशेवरों से चिकित्सा कौशल और ज्ञान के साथ-साथ नैतिकता, सहानुभूति और करुणा को बनाए रखने और स्वास्थ्य सेवा को मानव जीवन की रक्षा और समाज की सेवा करने की एक पवित्र जिम्मेदारी के रूप में देखने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, जीनोमिक्स, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थकेयर के क्षेत्र में हो रही तेज़ी से तरक्की से अपडेट रहें, साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि टेक्नोलॉजी मानवीय मूल्यों के अनुरूप हो। असम में उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि उनकी गरिमामयी उपस्थिति और लंबे समय तक की गई समर्पित जनसेवा युवा ग्रेजुएट्स को प्रेरित करेगी और उन्हें एक नया मकसद देगी। दीक्षांत समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. रानोज पेगू, स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज के वाइस-चांसलर डॉ. अनूप कुमार बर्मन और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

उप-राष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने लोक भवन में *सांस्कृतिक संध्या* में भाग लिया

गुवाहाटी। भारत के उप-राष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज यहां लोक भवन में आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम *सांस्कृतिक संध्या* में भाग लिया। इस शाम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का शानदार जश्न मनाया गया, जिसमें कलाकारों ने असम के पारंपरिक संगीत और नृत्य के साथ-साथ तमिल गीतों और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का यह संगम *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की भावना और देश की विविधता में एकता को खूबसूरती से दर्शाता है। इस अवसर पर राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास और असम विधानसभा में विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी के साथ-साथ गणमान्य अतिथि और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पफीकुल इस्लाम हत्याकांड : सीबीआई के तीन वांछित आरोपियों ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

कोकराझाड़ (विभास)। ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएमएसयू) के पूर्व अध्यक्ष लफीकुल इस्लाम अहमद की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा वांछित तीन आरोपियों ने शनिवार को गुवाहाटी के चांदमारी स्थित विशेष सीबीआई अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले आरोपियों की पहचान डिंगकुर मुसाहारी, बद्रेश्वर बसुमतारी और रूपा ब्रह्म के रूप में हुई है। यह घटनाक्रम हत्याकांड के करीब नौ साल बाद सामने आया है, जिसमें तीनों लंबे समय से सीबीआई की रडार पर थे और एजेंसी को उनकी तलाश थी। गौरतलब है कि तत्कालीन एबीएमएसयू अध्यक्ष लफीकुल इस्लाम अहमद की 1 अगस्त 2017 को कोकराझाड़ के तीतागुड़ी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद राज्यभर में भारी विरोध प्रदर्शन हुए थे और मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच की मांग उठी थी। जनता के आक्रोश को देखते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। अदालत में पेशी के बाद अब एजेंसी आरोपियों को हिरासत

में लेकर पूछताछ की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी में है। लाफिकुल इस्लाम हत्याकांड: 9 साल बाद 3 आरोपियों का सीबीआई अदालत में स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएमएसयू) के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय लाफिकुल इस्लाम अहमद हत्याकांड में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में करीब 9 वर्षों से फरार चल रहे तीन मुख्य आरोपियों ने शनिवार को सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपियों के अचानक आत्मसमर्पण करने के बाद इस मामले को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वर्गीय लाफिकुल इस्लाम के भाई मोहिदुल इस्लाम अहमद ने सीबीआई से आरोपियों को तुरंत अपनी हिरासत में लेने और पूरे मामले की नए सिरे से निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। मोहिदुल इस्लाम ने कहा कि लगभग नौ साल तक कानून की गिरफ्त से बाहर रहने के बाद आरोपियों का अदालत में पेश होना कई संदेहों को जन्म देता है। उन्होंने आशंका जताई कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है, ताकि मामले के मुख्य षड्यंत्रकारियों को बचाया जा सके। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) इन आरोपियों को रिमांड पर लेकर कड़ी पूछताछ करे, ताकि लाफिकुल इस्लाम की हत्या के पीछे की पूरी सच्चाई और इसमें शामिल प्रभावशाली चेहरों का पर्दाफाश हो सके। गौरतलब है कि अगस्त 2017 में कोकराझाड़ में छात्र नेता लाफिकुल इस्लाम अहमद की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद पूरे राज्य में भारी आक्रोश देखा गया था, जिसके बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों के इस कदम के बाद अब सबकी निगाहें सीबीआई की अगली कानूनी कार्रवाई पर टिकी हैं।

धुबड़ी में धूमधाम से मनाया गया श्रीश्री गणिनाथ बाबा का जन्मोत्सव

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी में बीते कल श्री श्री गणिनाथ बाबा का जन्मोत्सव और मध्यादेशीय महासभा का आयोजन किया गया। शहर स्थित पांच नंबर वार्ड के अग्रसेन भवन में गणिनाथ बाबा की जन्मोत्सव के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित की गई। उत्सव में सबसे पहले झंडा फहराया गया। उसके बाद गणिनाथ बाबा की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच चित्रकला, ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। आयोजन समिति ने जानकारी दी है कि गणिनाथ बाबा के जन्मोत्सव में असम के विभिन्न जिलों के साथ-साथ मेघालय राज्य के अलग-अलग स्थान में भी मनाया गया।

11वीं के छात्र की गोली मारकर हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। असम के डिमोरिया क्षेत्र के क्षेत्री में दिनदहाड़े घर के अंदर 11वीं कक्षा के एक छात्र की कथित रूप से निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत छात्र के पिता मनोज शर्मा के सरकारी क्वार्टर में यह चौंकाने वाली घटना हुई। जानकारी के अनुसार, माता-पिता छोटे बेटे को संगीत विद्यालय में छोड़ने के लिए घर से बाहर गए थे। वापस लौटने पर उन्होंने अपने 11वीं कक्षा के बेटे को घर के अंदर हाथ-पैर बंधी अवस्था में मृत पाया। यह दृश्य देखकर माता-पिता स्तब्ध रह गए। क्षेत्री पुलिस थाना क्षेत्र में हुई इस घटना ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हत्या के कारणों तथा इसमें शामिल लोगों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

कोकराझाड़ में बाओखुंग्री एमएलए कप फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ शहर के समीपवर्ती मागुरमारी खेल मैदान में शनिवार से प्रतिष्ठित बाउखूंगारी एमएलए कप फुटबॉल प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ। कोकराझाड़ जिले के नवगठित विधानसभा क्षेत्र में पहली बार आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता का उद्घाटन दोपहर असम सरकार के केबिनेट मंत्री चरण बोरो ने किया। उद्घाटन मैच दोतमा और कचुगांव की टीमों के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक और कड़े मुकाबले में दोतमा की टीम ने कचुगांव को 3-2 गोल के अंतर से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। शुरू हुई यह फुटबॉल प्रतियोगिता आगामी 18 सितंबर तक चलेगी। इसमें क्षेत्र की कुल 14 प्रमुख टीमें खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता की विजेता टीम को आकर्षक ट्रॉफी के साथ 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि उपविजेता (रनर-अप) टीम को ट्रॉफी सहित 50 हजार रुपये का

नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में बीटीसी प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर बाओखुंग्री के विधायक रूपम चंद्र राय, दोतमा के विधायक रबीराम नार्जरी, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य (ईएम) प्रकाश बसुमतारी, कार्यकारी सदस्य कर्मेश्वर राय, परिषद सदस्य (एमसीएलए) युराज बसुमतारी तथा एजामुल हक सहित कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

राज्य के 25 जिलों में 195 गुरु पूजन कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं में से एक गुरु-शिष्य परंपरा को नई पीढ़ी के बीच मजबूत करने के उद्देश्य से सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था *प्रज्ञा* ने शिक्षक दिवस के अवसर पर पूरे असम में गुरु पूजन कार्यक्रमों का आयोजन किया। शनिवार को राज्य के 25 जिलों में कुल 195 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें गुवाहाटी विश्वविद्यालय सहित विभिन्न महाविद्यालयों, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक विद्यालयों ने भाग लिया। कार्यक्रमों के दौरान कुल 4,121 शिक्षक-शिक्षिकाओं के चरण वंदन के साथ उनका सम्मान किया गया। पूरे राज्य में विद्यार्थियों सहित 30 हजार से अधिक लोगों ने इन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के चरण धोकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद गुरु वंदना के पवित्र मंत्रोच्चार के साथ शिक्षकों की आरती की गई। प्रत्येक कार्यक्रम में समाज की किसी विशिष्ट हस्ती ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन-दर्शन, शिक्षक समाज के योगदान और भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर अपने विचार रखे। गुरु वंदना कार्यक्रम में भाग लेते हुए कई शिक्षक-शिक्षिकाएं भावुक हो गए। अनेक शिक्षकों ने इस पहल के लिए *प्रज्ञा* का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक समय में शिक्षक और विद्यार्थियों के संबंधों को अधिक आत्मीय तथा मूल्य आधारित बनाने के लिए ऐसे आयोजनों की विशेष आवश्यकता है। *प्रज्ञा* के अनुसार, शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और समाज निर्माण का महत्वपूर्ण आधार होता है। इसी उद्देश्य से नई पीढ़ी में शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत करने के लिए हर वर्ष 5 सितंबर को गुरु पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संस्था ने उम्मीद जताई कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति की महान गुरु-शिष्य परंपरा से और गहराई से जुड़ेगी तथा शिक्षकों के सम्मान की परंपरा और मजबूत होगी।

संपादकीय

तंग नजरिया

तंग नजरिया राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद के संविधान, अदालत और कांग्रेस से भी श्रेष्ठ समझते हैं, इसलिए, उनका व्यवहार और प्रवृत्ति भी तानाशाही की हो गई है। तानाशाह का तर्व अजीबोगरीब होता है इसलिए अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर टैरिफ ज्यादा लगाने की कार्रवाई को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व दिए जिसकी चर्चा स्वाभाविक है। दरअसल टैरिफ नीतियों के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से पहले ही झटका लग चुका है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को गैर कानूनी बताते हुए कहा था कि ट्रंप के पास हर देश पर इस तरह से टैरिफ लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि आपातकाल घोषित कर दुनिया पर टैक्स लगाना सही नहीं है। अब ट्रंप ने इस पैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान ट्रंप प्रशासन ने भारत पर थोपे गए 50 प्रतिशत टैरिफ को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्क देते हुए सालिसिटर जनरल जान सायर ने जजों से कहा कि भारत सहित अन्य देशों पर टैरिफ कम करने से अमेरिका को दूसरे देशों से बदले का सामना करना पड़ सकता है। जनरल ने बड़ी निर्लज्जतापूर्वक एक कपोल कल्पित दलील यह भी दी कि यदि टैरिफ कम कर दिया गया या हटा दिया गया तो दुनिया में शांति स्थापित करने की कोशिशों को भी झटका लगेगा। मतलब यह कि भारत के खिलाफ टैरिफ लगाकर ट्रंप प्रशासन रूस व यूक्रेन की युद्ध को खत्म कराने का दावा कर रहा है। यहीं नहीं ट्रंप यह भी दावा कर सकते हैं कि भारत पर टैरिफ बढ़ा दिया अन्यथा भारत पाकिस्तान पर हमला कर देता। ऐसा गपोड़ी राष्ट्रपति आज तक अमेरिका में न भूतो (हुआ) और न भविष्यति (होगा)। दूसरी तरफ यूरोपियन यूनियन की अध्यक्षा उर्सुला वेन डेर लेयेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन के जरिए बात करने के बाद बृहस्पतिवार को दावा किया कि यूक्रेन युद्ध को खत्म करवाने में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। यही नहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति से लगातार संपर्क में होने के लिए भी उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद भी दिया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए उर्सला ने लिखा है कि ''यह युद्ध वैश्विक सुरक्षा के लिए बहुत हानिकारक है। यह दुनिया की आर्थिक स्थिरता को कमजोर करता है, इसलिए दुनिया के लिए एक जोखिम है। यूरोपियन यूनियन को अमेरिका के हर राष्ट्रपति ने यह साबित करने की कोशिश की कि अमेरिका की मदद के बिना यूरोपीय देशों को कोई भी पूछने वाला नहीं है। मतलब कि कुछ हो या सुरक्षा सभी जरूरतें पूरा करने के लिए वे अमेरिका को धन्यवाद बोलने के लिए मजबूर रहते थे। सच तो यह है कि अमेरिका के नाराज होने के डर से यूरोपीय यूनियन के देश उस देश के साथ मैत्री या सहयोग की चेन तोड़ देते थे जिससे कि व्हाइट हाउस की ब्वाइट्रष्टि न पड़ जाए! लेकिन अब यूरोपीय देशों ने खुलकर अमेरिका से अलग रास्ता अपना लिया है। उर्सला ने तो कहा है कि वह भारत के साथ मुक्त ट्रेड एग्रीमेंट करने जा रही हैं। इतना ही नहीं बात है कि ट्रंप अपने व्यवहार से अपनी सरकार को इतना परेशान कर दिया है कि उनके मंत्री ही शिकायत कर रहे हैं कि ट्रंप पैसले को लेकर जब सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं तब उन्हें पता चलता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देश जब पस्त हो गए तो अमेरिका धीरे-धीरे उनके राष्ट्रीय हितों पर एकाधिकार करता चला गया। मजे की बात तो यह है कि यूरोपीय देशों ने भी कोई ऐतराज नहीं किया। धीरे-धीरे स्थिति यह आ गई कि सुरक्षा के मामले पर तो वे सभी अमेरिका पर निर्भर हो गए, जबकि अपने विदेश व्यापार एवं कूटनीति निर्धारण में भी अमेरिकी इच्छा-अनिच्छा पर निर्भर होते गए। बहरहाल जब से ट्रंप यूरोपीय देशों को इस बात के लिए झिड़की लगाने लगे हैं कि यूरोपीय देशों की सुरक्षा करना अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है और टैरिफ का डर दिखाने लगे हैं तब से यूरोपियन यूनियन के देशों ने अब ट्रंप और उनके अमेरिकी प्रशासन की परवाह करना बंद कर दिया है। लब्बोलुआब यह है कि अब जहां ट्रंप अमेरिका के सामरिक सहयोगियों के खिलाफ ही खुराफात करने लगे हैं, वहीं वह अमेरिका के परम्परागत मित्र देशों को भी अपने से दूर करने की आत्मघाती प्रावृत्ति का परिचय दे रहे हैं। इसलिए जिन ज्ञानी पुरुषों ने कहा है कि अज्ञानी दोस्त से अच्छा ज्ञानी दुश्मन होते हैं, वह ट्रंप जैसे राष्ट्रपति के लिए ही कहा है जो भारत को मित्र देश और रणनीतिक साझेदार की रट लगाते हैं किन्तु आर्थिक हितों पर प्राहार करने में बिल्वुल संकोच नहीं करते। अच्छा यह हुआ कि ट्रंप जिस तंग नजरिए से भारत का विरोध कर रहे हैं भारत उतनी ही समझदारी से उनकी औकात का उन्हें एहसास करा रहा है।

> तानाशाह का तर्व अजीबोगरीब होता है इसलिए अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर टैरिफ ज्यादा लगाने की कार्रवाई को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व दिए जिसकी चर्चा स्वाभाविक है। दरअसल टैरिफ नीतियों के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से पहले ही झटका लग चुका है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को गैर कानूनी बताते हुए कहा था कि ट्रंप के पास हर देश पर इस तरह से टैरिफ लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि आपातकाल घोषित कर दुनिया पर टैक्स लगाना सही नहीं है। अब ट्रंप ने इस पैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान ट्रंप प्रशासन ने भारत पर थोपे गए 50 प्रतिशत टैरिफ को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्क देते हुए सालिसिटर जनरल जान सायर ने जजों से कहा कि भारत सहित अन्य देशों पर टैरिफ कम करने से अमेरिका को दूसरे देशों से बदले का सामना करना पड़ सकता है। जनरल ने बड़ी निर्लज्जतापूर्वक एक कपोल कल्पित दलील यह भी दी कि यदि टैरिफ कम कर दिया गया या हटा दिया गया तो दुनिया में शांति स्थापित करने की कोशिशों को भी झटका लगेगा। मतलब यह कि भारत के खिलाफ टैरिफ लगाकर ट्रंप प्रशासन रूस व यूक्रेन की युद्ध को खत्म कराने का दावा कर रहा है। यही नहीं ट्रंप यह भी दावा कर सकते हैं कि भारत पर टैरिफ बढ़ा दिया अन्यथा भारत पाकिस्तान पर हमला कर देता।

आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है।

> 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं।

देश | दुनीया से

तमिलनाडु सरकार के निर्णय और हिंदू धर्म

संविधान के अनुच्छेद 29 के अनुसार अल्पसंख्यकों के हितों को संरक्षण प्रदान किया गया है। इस अनुच्छेद की व्यवस्था है कि भारत के किसी भी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को बनाए रखने और संरक्षित करने का अधिकार है। अनुच्छेद 29(2) के तहत राज्य द्वारा संचालित या राज्य से सहायता प्राप्त किसी भी शैक्षणिक संस्थान में किसी भी नागरिक को केवल धर्म, मूलवंश, जाति, भाषा या इनमें से किसी भी आधार पर प्रवेश से नहीं रोका जाएगा। अब संविधानिक अनुच्छेद 30 की बात करते हैं।अनुच्छेद 30 के अनुसार सभी धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और उनके प्रशासन का अधिकार होगा।अनुच्छेद 30(2) के तहत राज्य शैक्षणिक संस्थानों को सहायता देते समय इस आधार पर भेदभाव नहीं करेगा कि वह संस्थान किसी धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक के प्रबंधन के अधीन है। अनुच्छेद 30(1A) के अनुसार, यदि राज्य किसी अल्पसंख्यक संस्थान की संपत्ति का अधिग्रहण करता है, तो वह ऐसा मुआवजा देगा जिससे उस संस्थान के अधिकारों में कोई बाधा न आए। संविधान के इन दोनों अनुच्छेदों का अनुचित लाभ उठाते हुए भारत में अल्पसंख्यक वर्ग ने अपेक्षा से कहीं अधिक लाभ उठाया है। इन संवैधानिक अनुच्छेदों की भाषा का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि इनमें केवल इतनी व्यवस्था की गई है कि देश के अल्पसंख्यकों को भी अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इनमें यह नहीं कहा गया है कि ऐसी सुविधा बहुसंख्यक समाज के लोगों को नहीं होगी। इसके उपरांत भी इन अनुच्छेदों का नकारात्मक अर्थ क्यों निकाला गया है ? संविधान सभा के कई सदस्यों को यह आशंका थी कि जब देश स्वाधीन हो रहा है तो ऐसा न हो कि देश का बहुसंख्यक हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने लगे। इसलिए जहां हिंदुओं को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने की सुविधा उपलब्ध होगी (संविधान की इन दोनों धाराओं का अंतर्निहित अर्थ यही है) वहीं अल्पसंख्यकों को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी। संविधान सभा के कई सदस्यों को विदेशी अनुभव दिखाई दे रहे थे, जहां पर किसी बहुसंख्यक वर्ग ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों का शोषण किया अथवा उनके संवैधानिक मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगा दिया। यह स्थिति भविष्य में भारत में न आए, इसके लिए ही भारत के संविधान में अनुच्छेद 29 और 30 की व्यवस्था की गई थी। परंतु हमारे देश में राजनीतिक लोगों के द्वारा व्यवहार में इन दोनों अनुच्छेदों का बहुत ही गलत प्रयोग किया गया है। इन अनुच्छेदों के स्थापित होने का अभिप्राय यह लगाया गया कि अपनी धार्मिक शैक्षणिक संस्थाएं खड़ी करने का अधिकार केवल अल्पसंख्यकों को होगा, बहुसंख्यकों को नहीं। यदि बहुसंख्यक ऐसा करते हुए पाए जाते हैं तो समझो कि वह एक 'अपराध ' कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान खड़े करने का अधिकार देकर यह भी मान लिया गया कि अपने शैक्षणिक संस्थानों में वे जैसी भी शिक्षा दें – यह उनका विशेष अधिकार होगा। इस व्याख्या ने हमारे देश में कई प्रकार के खतरे खड़े कर दिए हैं। अधिकांश मुस्लिम मदरसों में आतंकवाद की शिक्षा दी जा रही है। देश विरोधी भावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है। देश के बहुसंख्यक समाज के विरुद्ध मुस्लिम अपनी नई पीढ़ी को तैयार कर रहे हैं। कुल मिलाकर संविधान के ये दोनों अनुच्छेद कश्मीर संबंधी धारा 370 से भी अधिक खतरनाक सिद्ध हुए हैं और हो रहे हैं। अब इन्हीं संवैधानिक अनुच्छेदों का सहारा लेकर तमिलनाडु की विजय सरकार ने बहुसंख्यकों अथवा सनातनियों पर नये अत्याचार करने आरंभ किए हैं। विजय सरकार ने मुस्लिम छात्रों के ट्यूशन को स्नातक की शिक्षा तक पूर्ण रूपेण निःशुल्क कर दिया है। सरकारी स्कूलों या कॉलेजों से लेकर निजी स्कूलों तक में यह नियम लागू किया जाएगा। तमिलनाडु के वक्फ बोर्ड के द्वारा अभी तक यह व्यवस्था चली आ रही थी कि कक्षा 1 से 8 तक की मुस्लिम लड़कियों को छात्रवृत्ति दी जाती थी। अपनी बहुसंख्यक हिंदू विरोधी मानसिकता का प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु की विजय सरकार ने अब इस छात्रवृत्ति को मैट्रिक तक करने का निर्णय लिया है। इस छात्रवृत्ति की राशि भी अब 2000 रुपये कर दी गई है।

तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय थलापति ईसाई हैं और वह उन ईसाई मिशनरीज के लिए खुलकर काम कर रहे हैं जो दक्षिण के इस राज्य का ईसाईकरण करने के काम में लगी रही हैं । यदि वैश्विक परिदृश्य पर चल रही राजनीति पर नजर दौड़ाई जाए तो ईसाई और मुस्लिम आपको सर्वत्र लड़ते हुए दिखाई देंगे। परंतु भारत में इन दोनों का साँझा शत्रु हिंदू है । उसके विनाश के लिए यह दोनों एक हो जाते हैं। यह बीमारी आज की नहीं है, अंग्रेजों के जमाने में भी यही बीमारी रही थी और इसी बीमारी ने देश का विभाजन करवाया था। जिसे देश के धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल न तो उस समय समझे थे और न आज समझ रहे हैं। इसलिए हिंदू विरोध के नाम पर हमारे देश में ये दोनों हाथ मिलाकर काम करते हैं । यही कारण है कि तमिलनाडु में मुसलमानों के समर्थन का तात्कालिक लाभ लेने के लिए विजय सरकार ने उनके लिए भी सुविधाओं के द्वार खोल दिए हैं। एक प्रकार से ईसाई और मुस्लिम दोनों का गठबंधन हिंदू विरोध के लिए बन चुका है। जितना भर भी सेक्युलरिस्ट गैंग भारत में काम कर रहा है, वह सारा का सारा धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इस हिंदू विरोधी गठबंधन के विरुद्ध कुछ भी नहीं बोलेगा।

आप का | नजरीया

धर्म के नाम पर न बांटने दिया जाये मनुष्यता को

बहुत पुरानी बात नहीं है, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर देश की विविधता में एकता को रेखांकित किया था। अब फिर उन्होंने अमेरिका के न्यूयॉर्क में कहा है कि जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर कर देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता। भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात-बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाए— हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर? विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी-साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं। यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान-निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था। यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए-गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था। अवसर था उनके पास पाकिस्तान जाने का, पर ऐसा न करके उन्होंने इस देश की मिट्टी के प्रति अपने लगाव का ही उदाहरण दिया था। इसलिए, उनकी देशभक्ति पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं बनता। कुछ अरसा पहले आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। आज फिर 'धर्म अलग हो सकते हैं, मगर मानवता एक है, सभी रास्ते ईश्वर तक ले जाने वाले हैं' का संदेश देकर उन्होंने मनुष्यता के धर्म को स्वीकार करने का ही आग्रह किया है। सवाल इस आग्रह के पीछे की सच्चाई का है। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को अपना धर्म मानने, उसके अनुसार आचरण का अधिकार देता है। हर भारतीय को यह अधिकार भी है कि वह अपने विश्वास का प्रचार-प्रसार कर सके। फिर, धर्म के नाम पर किसी के कम या अधिक भारतीय होने का क्या अर्थ रह जाता है? सवाल यह उठता है कि हमारी पहचान हिंदू या मुसलमान के आधार पर होनी चाहिए अथवा भारतीय होने के नाते? सवाल यह भी उठता है कि आज़ादी के अस्सीवें साल में गर्व से स्वयं को हिंदू या मुसलमान कहने-समझने का क्या अर्थ है? होना तो यह चाहिए था कि समय के साथ भारतीयता की हमारी पहचान और मज़बूत होती, पर हो उल्टा ही रहा है! हम भारत माता की जय का नारा तो लगाते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि भारत माता है क्या? देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत-माता की एक परिभाषा हमें दी थी। इस देश के सारे नागरिक मिलकर भारत-माता को आकार देते हैं। इस तर्क को यदि हम समझ लेते हैं तो फिर स्वयं को भारतीय प्रमाणित करने के लिए कोई नारा लगाने की ज़रूरत नहीं रह जाती। यही भारतीयता हमारी पहचान होनी चाहिए। इसी भारतीयता पर हमें गर्व करना चाहिए। हमारी विविधता में एकता का यही अर्थ है, यही अर्थ होना चाहिए। जब मोहन भागवत सात समुद्र पार जाकर विविधता में एकता का संदेश देते हैं, उसकी महत्ता समझाते हैं, तो इसका अर्थ सिर्फ यही होना चाहिए कि यह संदेश हर भारतीय के लिए है। सच कहें तो दुनियाभर के लिए है यह संदेश। मैं कैसे अपने आराध्य को पूजता हूं, यह मेरा निजी कर्म है। इसके आधार पर मेरी कोई पहचान निर्धारित नहीं हो सकती।

> भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात-बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाए— हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर? विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी-साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं। यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान-निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था। यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए-गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था।

कुछ | अलग

सौंदर्य का शाश्वत सत्य

एक बार पाब्लो नेरूदा इटली भ्रमण के दौरान काफी खुशी से सभी के प्रति अपनापन अभिव्यक्त करने लगे। कवि हृदय होने के कारण वे अपनी प्रशंसक सुंदर महिलाओं की भी तारीफ करने लगे। एक संकीर्ण सोच वाले व्यक्ति ने उन पर फब्ती कसी, मगर नेरूदा को बुरा नहीं लगा। वे बोले, 'मैं कवि हूं और मुझे हर मनभावन चीज से प्यार है।' जहां तक खूबसूरती की बात है, सौंदर्य तो बहुआयामी है। यह महज दृश्य तक सीमित नहीं है। श्रवण का भी अपना सौंदर्य है, स्वाद का भी अपना सौंदर्य है। सौंदर्य का संबंध बुद्धि से नहीं, बल्कि भाव से है; मस्तिष्क से नहीं, बल्कि हृदय से है। सौंदर्य को रूप-रंग और आकार के तराजू से तौला नहीं जा सकता। रूप-रंग से तय किया गया सौंदर्य क्षणिक है, जबकि वास्तविक सौंदर्य शाश्वत है। सौंदर्य वासनातीत है। सौंदर्य किसी की कमजोरी नहीं हो सकता। सौंदर्य कामुकता को जन्म नहीं देता, बल्कि कुदरत के प्रति सम्मान का भाव गहरा करता है।

दृष्टि | कोण

श्रीराम जन्मभूमि नया ट्रस्ट- नया भरोसा -नया सवेरा

अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा प्रकरण के बाद जिस प्रकार कुछ राजनैतिक दल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लगातार जांच चलने के बाद भी अपने निहित स्वार्थ सिद्ध करने के लिए सनातन धर्म का लगातार अपमान कर रहे थे और पुरजोर प्रयास कर रहे थे कि किसी न किसी प्रकार अयोध्या के प्रति हिंदुओ की आस्था कमजोर पड़ जाए उससे सनातन समाज में क्रोध और निराशा दोनों ही व्याप्त हो रहे थे। अब जब एक लंबी चयन प्रक्रिया के बाद आपरेशन सिंदूर के नायक रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति श्री रामजन्मभूमि मन्दिर के प्रथम सीईओ के रूप में की गई है उससे हिन्दू समाज में भरोसे का नया भाव जगा है। नये सीईओ जितेंद्र मिश्र- अयोध्या में राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नये सीईओ के रूप में नियुक्ति की है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र पूर्व में लड़ाकू विमान उड़ाकर सीमाओं की सुरक्षा करते रहे हैं। वह वायुसेना में लगभग 40 वर्ष तक रहे तथा जनवरी 2025 में उन्होंने पश्चिमी एयर कमांड की जिम्मेदारी संभाली तथा ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाई। जितेंद्र मिश्र ने 1999 में कारगिल युद्ध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा मिराज 2000 से पाकिस्तानी सेना पर बमबारी की थी। जैसे ही जितेन्द्र मिश्रा के नाम का घोषणा हुई सोशल व टीवी मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर के समय की प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के साथ उनकी तस्वीर वायरल हो गई। इस तस्वीर में जितेंद्र मिश्रा प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी करते दिखाई पड़ रहे हैं । अब

वही जितेंद्र मिश्र अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि के सीईओ बनकर राम मंदिर का कामकाम संभालने जा रहे है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र का कोई राजनैतिक बैकग्राउंड नही है। देवरिया की भूमि के सुपुत्र जितेंद्र मिश्रा को स्वतंत्रता दिवस पर सर्वोतम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था। इससे पूर्व उन्हें 2024 में अति विशिष्ट सेवा मेडल ओर 2013 में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। वह 6 दिसंबर 1986 को एयरफोर्स एकेडमी से वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए थे। 40 वर्ष के कैरियर में उन्हें 3 हजार घंटे से अधिक उड़ाने भरने का अनुभव है। नेटफिक्स की ऑपरेशन सफेद सागर में जितेंद्र मिश्र का किरदार दिखाया गया था। श्रीराम मंदिर के सीईओ के प्रतिदिन के कामकाज में प्रतिदिन का दर्शन प्रबंधन, सुरक्षा ,सफाई, वीआईपी मूवमेंट, पर्वो पर भीड़ नियंत्रण, स्टाफ की निगरानी, जिला प्रशासन और पुलिस से तालमेल जैसे काम शामिल हैं। नीति, वित्त और शासन पर वास्तविक अधिकार महासचिव के पास ही रहेगा । पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरि जी नए महासचिव बनाए गए हैं। सीईओ महासचिव को रिपोर्ट करेगा और सीधे महासचिव के अधीन काम करेगा। सीईओ नीति बाने की बजाय फैसलों को लागू करेगा। महासचिव सीईओ की नियुक्ति उसके कामकाज की समीक्षा और वार्षिक बजट की अनुमति देगा। ट्रस्ट का प्रत्येक बड़ा निर्णय महासचिव की अनुमति से ही होगा। राम मंदिर ट्रस्ट में निर्णय की शक्ति महासचिव के पास तथा कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सीईओ के पास रहेगी। सीईओ पद के लिए देशभर से 5,585आवेदन आए थे, जिसमें आईएएस आईपीएस अधिकारियों के अलावा सेना के ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी और गैर सरकारी संगठनों से जुड़े लोग भी शामिल थे। मीडिया के तमाम अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए देवरिया निवासी जितेन्द्र मिश्रा का नाम सामने आते ही सभी विश्लेषक हैरान रह गए। ट्रस्ट में खाली पड़े तीन पदों को भी भर दिया गया है।

अश्विनी कुमार मिश्रा की नियुक्ति पर पंजाब सरकार का विरोध

वित्त मंत्री बोले केंद्र ने नहीं ली राज्य सरकार की सहमति

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा की नियुक्ति का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में पंजाब सरकार की राय और सहमति लेने की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। चीमा ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के मामले में राज्य सरकार के दृष्टिकोण और सहमति को महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में मानक प्रक्रिया की अनदेखी की गई। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि यह मामला पंजाब के पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति को लेकर जुड़ा हुआ है। अश्वनी कुमार मिश्रा को कल सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि इसमें स्टैंडर्ड प्रोसीजर (मानक प्रक्रिया) को फॉलो नहीं किया गया। इससे बड़ा सवाल केंद्र सरकार

के खिलाफ खड़ा होता है। किस तरह से पंजाबियों को अनदेखा किया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के सीनियर जज जस्टिस जी.एस. संधावालिया की नियुक्ति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में की जा रही थी। इसके लिए 11 जुलाई 2024 को देश की सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) और उनकी समूची कॉलेजियम ने जी.एस. संधावालिया का नाम मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर रिकमेंड किया था। यह आदेश 11 जुलाई 2024 को पास होते हैं। मगर, 11 जुलाई के बाद केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ने लगभग 2 महीने से अधिक समय तक उनकी नियुक्ति नहीं की। 11 जुलाई को आदेश पास हुआ और 17 सितंबर तक (दो महीने से अधिक समय) मध्य प्रदेश के चीफ जस्टिस के तौर पर उनकी नियुक्ति को वहां की सरकार ने अपनी सहमति नहीं दी। वित्तमंत्री चीमा ने कहा कि अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को नियुक्ति के संदर्भ में माननीय पंजाब के राज्यपाल ने 12 अगस्त 2026 को एक पत्र भेजा। केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल द्वारा जारी दोनों पत्रों में जिक्र किया गया है कि इसमें राज्य सरकार का दृष्टिकोण और सहमति जरूरी है। लेकिन कल बहुत हैरानी हुई जब इस पूरी प्रक्रिया को केंद्र सरकार ने दरकिनार करके अश्वनी कुमार मिश्रा जी को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त कर दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के सबसे सीनियर मोस्ट जस्टिस जी.एस. संधावालिया को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनने से किसने रोका। दो महीने उनकी नियुक्ति रोक कर रखने का कोई कारण स्पष्ट क्यों नहीं किया गया। चीमा ने कहा कि यह केवल मुख्यमंत्री साहब का अपमान नहीं, बल्कि केंद्र सरकार ने 3 करोड़ पंजाबियों का अपमान किया है।

2047 तक नहीं बनेगी विपक्ष की सरकार : केशव मौर्य

अमेठी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को अमेठी के जायस स्थित राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित एस.सी. बोस, होमी भाभा एवं विद्यासागर छात्रावासों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर राजनीतिक निशाना साधते हुए कहा कि 2047 तक सपा-कांग्रेस की सरकार बनने वाली नहीं है। केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वह सत्ता में आने के मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं, लेकिन उनका सपना पूरा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जितने सपने देखना चाहें, देख लें, लेकिन 2047 तक मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं। राहुल गांधी को लेकर भी उन्होंने कहा कि न तो उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी और न ही केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। उप मुख्यमंत्री

ने राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान में तीन नवनिर्मित छात्रावासों का लोकार्पण किया। संस्थान के निदेशक आचार्य हरीश हिरानी ने संस्थान की उपलब्धियों और छात्रावासों की सुविधाओं की जानकारी दी। मौर्य ने विद्यार्थियों से पेट्रोलियम, ग्रीन फ्यूल, जैव ईंधन, वैकल्पिक ऊर्जा और ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री आवास योजना के 17 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और 1.20 लाख रुपए के डेमो चेक वितरित किए गए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। इसके बाद डिप्टी सीएम ओदारी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने आवास योजना की लाभार्थी कृष्णा मौर्य के घर जाकर स्वीकृति पत्र और डेमो चेक सौंपा। उन्होंने परिवार से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी लिया ।

डिलिमिटेशन का काम पूरा होते ही बवानी खेड़ा को मिलेगा उपमंडल का दर्जा : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बवानी खेड़ा में आयोजित विकास संकल्प जनसभा में क्षेत्र के लिए कई विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डिलिमिटेशन का काम पूरा होने के बाद वर्ष 2028 में बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि बवानी खेड़ा कस्बे के 50 बिस्तरों के नागरिक अस्पताल का विस्तार करते हुए इस पर 50 करोड़ की राशि खर्च कर नए भवन का निर्माण व सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। गांव रेवाड़ी खेड़ा में साढ़े 16 करोड़ की लागत से 33 केवी सब स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। गांव खरक कलां में महिला कॉलेज के भवन का निर्माण कराया जाएगा। बवानी खेड़ा कस्बे में जमीन उपलब्ध होने के बाद नई सब्जी मंडी का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव बलियाली व जमालपुर में 90-90 लाख की लागत से ग्राम सचिवालयों का निर्माण कराया जाएगा। गांव बड़सी गुजरान व गांव सैय में क्रमश: 90-90 लाख की लागत से बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गांव कलिंगा में 85 लाख की राशि से महाराणा प्रताप कम्युनिटी सेंटर व गांव मढ़ाणा में 1.75 करोड़ की लागत से और गांव मुंढाल कलां में 80 लाख की लागत से कम्युनिटी सेंटर का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गांव सिरसा घोघड़ा में 19 लाख की लागत से पार्क का निर्माण, गांव कलिंगा में 24 करोड़ 47 लाख की लागत से जल घर का पुनर्निर्माण व विस्तार, गांव जाटू लोहारी में भूमि उपलब्धता के आधार पर स्टेडियम और गांव तिगड़ाना व धनाना में 50-50 लाख की लागत से खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा में एक करोड़ की लागत से ई-लाइब्रेरी और दो करोड़ की लागत से महर्षि वाल्मीकि भवन का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा में 50 लाख की लागत से महात्मा ज्योति फूले के नाम से भवन का निर्माण करवाने और कस्बे में 5 करोड़ की लागत से बवानी खेड़ा नगर पालिका कार्यालय के नए भवन का निर्माण व 15 करोड़ की लागत से महर्षि वाल्मीकि के नाम से स्टेडियम और दस करोड़ की लागत से बवानी खेड़ा में लोक निर्माण विभाग के नए रेस्ट हाउस का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र की मार्केटिंग बोर्ड की 13 सड़कें जो डीएलपी के अधीन हैं, इन 40.7 किलोमीटर की सड़कों का रखरखाव संबंधित एजेंसी द्वारा कराए जाने, बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र की पीडब्ल्यूडी की 68 सड़कों जो डीएलपी के अधीन हैं, इन 184.10 किलोमीटर की सड़कों का रखरखाव एजेंसी द्वारा कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 94.5 किलोमीटर लंबाई की 47 सड़कों की 55 करोड़ 45 लाख की लागत से स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी।

बीकानेर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य रोड शो, भाजपा कार्यकर्ताओं में दिखा जबर्दस्त उत्साह

बीकानेर (हिंस)। नगर निगम चुनाव के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बीकानेर में रोड शो कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री का रोड शो निर्धारित गोकुल सर्किल के बजाय मोहता चौक स्थित पूनरासर हनुमान मंदिर से शुरू हुआ। इससे पहले मुख्यमंत्री बंद कार में गोकुल सर्किल, नत्थूसर गेट, बारह गुवाड़ और हर्षों का चौक होते हुए मोहता चौक पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमान मंदिर में धोक लगाई और इसके बाद खुले रथ में सवार होकर रोड शो की शुरुआत की। रोड शो के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री एवं बीकानेर सांसद अर्जुन राम मेघवाल, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास और भाजपा शहर अध्यक्ष सुमन छाजेड़ सहित भाजपा के कई नेता मौजूद रहे। रोड शो शुरू होते ही भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय आचार्य के नेतृत्व में गोकुल जोशी, श्याम सुंदर चौधरी सहित

उनकी टीम ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। वहीं मोहता चौक में कर्मचारी नेता एवं विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव भंवर पुरोहित के नेतृत्व में दर्शन आचार्य, दुर्गाशंकर आचार्य सहित टीम धरणीधर की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। रोड शो के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने घरों की छतों और मकानों से पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों की बड़ी संख्या में तैनाती रही। मुख्यमंत्री के रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नगर निगम चुनाव के भाजपा प्रत्याशी भी रोड शो में शामिल हुए। चुनावी माहौल के बीच मुख्यमंत्री का यह रोड शो बीकानेर भाजपा के लिए शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाल हवाई अड्डे पहुंचने पर भाजपा नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया भाजपा नेताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा पार्टी का दुपट्टा पहनाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन किया। जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया कि नाल हवाई अड्डे पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, सुमित गोदारा, विश्वकर्मा कौशल बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, विधायक सिद्धि कुमारी, विश्वनाथ मेघवाल, ताराचन्द सारस्वत, पूर्व विधायक बिहारीलाल विश्नोई, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, पूर्व अध्यक्ष सत्यप्रकाश आचार्य, गोपाल गहलोत, प्रभारी ओम सारस्वत, मीडिया संयोजक मनीष सोनी, पंकज अग्रवाल एवं संपत पारीक सहित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया।

बठिंडा में चिट्टा बेचने का वीडियो सामने आने से सियासी घमासान

बठिंडा (हिंस)। पंजाब में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच बठिंडा के गांव संगत कलां में कथित तौर पर चिट्टा बेचने से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने रविवार को अपने फेसबुक पेज पर करीब 3 मिनट 12 सेकंड का वीडियो साझा करते हुए इसे कथित स्टिंग ऑपरेशन बताया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि गांव में कम कीमत पर चिट्टा उपलब्ध कराया जा रहा है। अकाली दल के मुताबिक, वीडियो में एक महिला द्वारा कथित तौर पर चिट्टा पहुंचाने की बात सामने आती है। वीडियो में डिलीवरी को लेकर पिज्जा, ब्लिंकिट और कथित नशे की डिलीवरी की तुलना करते हुए दावा किया गया है कि चिट्टा बेहद कम समय में उपलब्ध कराया जा रहा था। पार्टी ने इस मामले की तत्काल जांच की मांग की है।

सीजेपी के आंदोलनों को राजनैतिक दलों ने किया हाईजैक : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आंदोलन को राजनीतिक दलों पर हाईजैक करने का आरोप लगाया है। जेन-जी के जंतर मंतर आंदोलन के दौरान पुलिस

अगर समय से उचित कार्रवाई करती तो संजय आजाद जैसी गंभीर घटना नहीं होती। मायावती ने रविवार को एक पोस्ट में लिखा कि सीजेपी का छात्रों की समस्या और युवाओं के बेरोजगारी समेत कई ज्वलंत मुद्दे को लेकर जंतर मंतर आंदोलन के दौरान जो बड़े-बड़े सपने दिखाये गये थे। अब वे स्वतंत्र कम और राजनीतिक ज्यादा होकर गंभीर शंकाओं में घिर गए हैं। ऐसा लगता है कि सीजेपी के आंदोलन को विभिन्न राजनीतिक पार्टियों ने कथित तौर पर कब्जा कर लिया है। बसपा ने हमेशा ही जेन-जी और जेन अल्फा की जरूरी मांगों को लेकर पूरी सहानुभूति रखी है। उन्होंने बसपा के सभी प्रदेश इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने राज्य व क्षेत्र में सम्बंधित अधिकारियों से मिलकर युवाओं की समस्याओं के शान्तिपूर्ण तरीक़े से समाधान के लिये तत्पर रहें। मायावती ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि धरना, प्रदर्शन व आंदोलन आदि नहीं करके अपनी ऊर्जा को चुनाव के लिये सुरक्षित रखें। बसपा प्रमुख ने कहा कि जंतर मंतर आंदोलन के दौरान पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो संजय आजाद जैसी गंभीर घटना नहीं होती। पुलिस आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

देश भर में जातीय जनगणना कराना जरुरी : कमलेश्वर पटेल

प्रयागराज (हिंस)। मध्य प्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कमलेश्वर पटेल ने रविवार सुबह प्रयागराज प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार की नीयत साफ नहीं है। उन्होंने पूरे देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग की। कमलेश्वर पटेल ने कहा कि जिस तरह तेलंगाना सरकार ने जातीय जनगणना कराई है, उसी तरह पूरे देश में भी जातीय जनगणना कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा कराई जा रही जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए जाति से जुड़ी डिजिटल जानकारी दर्ज करने का प्रावधान किया गया है, लेकिन सामान्य वर्ग, अति पिछड़े, पिछड़े और मुस्लिम समाज के लिए इस तरह की जानकारी दर्ज करने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में सामाजिक न्याय की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती।

मोगा सदर थाने पर ग्रेनेड हमले में एक और पकड़ा गया, अब तक कुल 18 गिरफ्तारियां

मोगा (हिंस)। सदर पुलिस स्टेशन मोगा पर हुए ग्रेनेड हमले की जांच में पुलिस ने एक और संदिग्ध को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या 18 हो गई है। पुलिस के अनुसार 8 जुलाई की सुबह करीब 3-15 बजे सदर मोगा थाने के परिसर में कम तीव्रता वाला ग्रेनेड हमला किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने हमले को अंजाम देने वाले तीन मुख्य आरोपियों गगन उर्फ काली, राजेश उर्फ खन्ना और शुभम उर्फ भिंडर को गिरफ्तार किया था। तीनों फिरोजपुर जिले से संबंधित बताए गए हैं। पुलिस का दावा है कि इस पूरे मॉड्यूल को विदेश में बैठे हैंडलर संचालित कर रहे थे। कथित तौर पर ब्रिटेन में रह रहे इकबाल सिंह उर्फ रवि धालीवाल पर साजिश का मास्टरमाइंड होने और स्थानीय स्तर पर भर्ती व निर्देश देने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया कि कुलजीत कौर, लज्जर उर्फ अमन और उसकी पत्नी परवीन कौर समेत कई लोगों ने कथित तौर पर मॉड्यूल को आर्थिक मदद, ठिकाने और अन्य लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई। पुलिस ने स्वर्ण, गोबिंद, सागर और जॉन को भी कथित तौर पर मॉड्यूल के सदस्यों को शरण देने और मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। लज्जर उर्फ अमन से पूछताछ के बाद पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर से लैस एक जिंदा आईईडी, 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, मैगजीन और हमले में इस्तेमाल हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि इस आईईडी का इस्तेमाल फिरोजपुर-जम्मू मार्ग पर चलती ट्रेन को निशाना बनाने की कथित साजिश में किया जाना था। आरोपियों के खिलाफ यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। मामले की आगे जांच जारी है।

कांग्रेस का संकल्प पत्र जारी, भाजपा बोर्ड पर लगाए शहर की बदहाली के आरोप

उदयपुर (हिंस)। नगर निगम चुनाव-2026 को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को अपना संकल्प पत्र जारी कर चुनावी मुकाबले को विकास और शहर की बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे पर केंद्रित करने का प्रयास किया। कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा भाजपा बोर्ड पर शहर की मूलभूत व्यवस्थाओं की अनदेखी, माइक्रो लेवल प्लानिंग के अभाव और उदयपुर की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक पहचान के साथ खिलवाड़ का आरोप लगाया। पार्टी ने दावा किया कि सत्ता में आने पर उदयपुर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त, पर्यावरण-संवेदनशील, पर्यटन केंद्रित और जन-केंद्रित शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। कांग्रेस ने अपने संकल्प पत्र में कहा कि मेवाड़ की आन-बान-शान और ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान रखने वाला उदयपुर आज बुनियादी ढांचे, स्वच्छता, यातायात, पेयजल और पर्यावरण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। पार्टी ने इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए माइक्रो लेवल प्लानिंग के साथ शहर के विकास का रोडमैप तैयार करने का दावा किया। देहात उदयपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि संकल्प पत्र में उदयपुर की झीलों को सबसे प्रमुख मुद्दों में शामिल किया गया है। पिछोला, फतहसागर और उदयसागर सहित शहर की प्रमुख झीलों में गंदे पानी की रोकथाम के लिए आधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने का वादा किया गया है। बेड़च नदी और उदयसागर झील में पहुंचने वाले प्रदूषित पानी की नियमित निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करने की बात भी कही गई है। पार्टी ने हर वार्ड में समान दबाव के साथ नियमित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। कांग्रेस ने उपेक्षित ऐतिहासिक रिवरफ्रंट के पुनरुद्धार का वादा किया है। इसके साथ ही आहाड़ सभ्यता और आयड़ नदी को अतिक्रमण तथा प्रदूषण से मुक्त कराने की योजना संकल्प पत्र में शामिल की गई है। शहर के प्राचीन मंदिरों, बावड़ियों, घाटों और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण के लिए विशेष *धरोहर संरक्षण कोष* गठित करने की घोषणा की गई है। कांग्रेस ने कहा कि उदयपुर के विकास के साथ उसकी ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखना भी उसकी प्राथमिकता होगी। पर्यावरण संरक्षण को लेकर कांग्रेस ने अरावली की पहाड़ियों पर अवैध पेड़ों की कटाई और निर्माण गतिविधियों पर पूर्ण रोक लगाने का वादा किया है। साथ ही शहर के हरित आवरण को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही गई है। संकल्प पत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को भी प्रमुखता दी गई है। कांग्रेस ने हर वार्ड में निःशुल्क प्राथमिक जांच, चिकित्सकीय परामर्श और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराने वाले *स्वास्थ्य क्लीनिक* खोलने की घोषणा की। गंभीर बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद लोगों के लिए निगम स्तर पर विशेष चिकित्सा सहायता शिविर और सहायता डेस्क स्थापित करने का भी वादा किया गया है। कांग्रेस ने गरीब परिवारों और श्रमिकों को रियायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने की बात कही है।

एनडीए सरकार जमीन पर राहत पहुंचा रही तेजस्वी सिर्फ बयानबाजी कर रहे : संजय सरावगी

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बिहार में बाढ़ की स्थिति को लेकर राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि आपदा की घड़ी में भी राजनीति करना तेजस्वी यादव की पुरानी आदत है। बिहार की जनता की पीड़ा पर घड़ियाली आंसू बहाने से पहले तेजस्वी यादव अपने माता-पिता के 15 वर्षों के शासनकाल का हिसाब बिहार की जनता को दें। सरावगी ने कहा कि तेजस्वी यादव आज बाढ़ प्रभावित लोगों की चिंता का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह बताना चाहिए कि उनके परिवार के 15 वर्षों के शासनकाल में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए क्या किया गया। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए क्या स्थायी आपदा प्रबंधन तंत्र विकसित किया गया? तेजस्वी यादव को इन सवालों से भागने के बजाय बिहार की जनता को जवाब देना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार और केंद्र सरकार की एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हैं। प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और जरूरत के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। ऐसे समय में सरकार के प्रयासों को बदनाम करने के बजाय तेजस्वी यादव को राहत कार्यों में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को शायद जानकारी नहीं है कि आपदा प्रबंधन कोई राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि समन्वित प्रशासनिक व्यवस्था का विषय है। जरूरत के अनुसार केंद्र और राज्य की एजेंसियां मिलकर हरसंभव संसाधन उपलब्ध करा रही हैं। केवल कैमरे के सामने बयान देने से बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं होती। सरावगी ने कहा कि तेजस्वी यादव पहले अपने 15 साल के शासनकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें, फिर एनडीए सरकार से सवाल पूछें। राजद के शासनकाल में बिहार की सड़कों, स्वास्थ्य व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की क्या स्थिति थी, यह बिहार की जनता भूली नहीं है। उन्होंने कहा कि बाढ़ बिहार के लिए दशकों पुरानी चुनौती है। एनडीए सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए तटबंधों के सुदृढ़ीकरण, नदी प्रबंधन, जल निकासी और राहत-बचाव की व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री स्वयं स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और केंद्र सरकार के साथ लगातार समन्वय बनाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने तेजस्वी यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें वास्तव में बाढ़ पीड़ितों की चिंता है तो वे बयानबाजी छोड़कर प्रभावित इलाकों में जाएं, लोगों के बीच खड़े हों और सरकार के राहत कार्यों में सहयोग करें। सोशल मीडिया पर राजनीतिक बयान देने से न तो किसी की जान बचती है और न ही किसी पीड़ित परिवार का दर्द कम होता है।

मधेपुरा रेल फैक्ट्री के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

बोले, *योग्यता के अनुसार नौकरी दो, नहीं तो फैक्ट्री बंद करो*

मधेपुरा (हिंस)। बिहार के मधेपुरा की रेल इंजन फैक्ट्री को लेकर आसपास के ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर रोजगार के मामले में अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर फैक्ट्री खड़ी है, उसका लाभ स्थानीय लोगों को भी मिलना चाहिए। उनकी मांग है कि *योग्यता के अनुसार फैक्ट्री में नौकरी दो, स्थानीय युवाओं को रोजगार दो, नहीं तो फैक्ट्री बंद करो*। दरअसल, हाल ही में अलस्टॉम और भारतीय रेलवे की संयुक्त कंपनी एमईएलपीएल की एक रिपोर्ट पटना में जारी की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2020-26 के दौरान देशभर में करीब 60 हजार करोड़ रुपए के आर्थिक आउटपुट को सपोर्ट किया है। रिपोर्ट और मीडिया में स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने की बात सामने आने के बाद फैक्ट्री के आसपास के गांवों में नाराजगी और बढ़ गई। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री में स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने यह भी

दावा किया कि यहां रेल इंजन के निर्माण के नाम पर बाहर से सामान लाकर सिर्फ असेंबलिंग की जाती है। उनका कहना है कि यदि स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे कल-पुर्जों तक का निर्माण होता, तो आसपास के लोगों को रोजगार और व्यवसाय का बड़ा अवसर मिलता। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीण अरविंद कुमार यादव ने फैक्ट्री के एक अधिकारी पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी गांव के युवाओं से कथित तौर पर स्मैक बिकवा रहे हैं और इससे समाज बर्बाद हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बच्चों ने आईटीआई की पढ़ाई की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें योग्यता के मुताबिक रोजगार नहीं मिला। इन आरोपों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सुधीर कुमार यादव ने कहा कि रोजगार के साथ-साथ बिजली, शिक्षा और किसानों की सुविधाओं को लेकर भी ग्रामीणों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। उनका कहना है कि योग्य युवा रोजगार की तलाश में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और गुजरात जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मांग की कि जिसकी जैसी डिग्री और तकनीकी योग्यता हो, उसे उसी के अनुरूप नौकरी दी जाए। अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि जमीन लेते समय स्थानीय विकास और रोजगार का भरोसा दिया गया था, लेकिन आज भी गांव के कई युवा बाहर कमाने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया कि फैक्ट्री मधेपुरा में है, जमीन मधेपुरा की है, तो रिपोर्ट पटना में क्यों जारी की गई? उनका कहना है कि कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर होता तो ग्रामीणों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलता। फिलहाल ग्रामीणों ने आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने की बात कही है। उनका कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे एक बार फिर बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। वही इस संबंध में फैक्ट्री प्रबंधन ने किसी भी प्रकार का बयान देने से परहेज किया।

वैश्विक हलचल, कच्चा तेल और अमेरिकी महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

विशेषज्ञों ने विदेशी निवेश और वैश्विक संकेतों पर भी नजर रखने की सलाह दी

मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और अमेरिका के आगामी मुद्रास्फीति आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि इन वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और अन्य वैश्विक संकेतों पर भी बाजार की गहरी नजर रहेगी।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक आंकड़े भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है।

उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़े फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये आंकड़े अमेरिकी बान्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों को भी प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल और बाजार में नकदी की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी।

पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा था।

न्यूज ब्रीफ

जनधन योजना में चुनौतीः करोड़ों खाते निष्क्रिय, लाखों में नहीं है कोई राशि, आरटीआई से खुलासा; देश में 15 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय

जयपुर। प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वित्तीय समावेशन के प्रयासों को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एक आरटीआई (सूचना का अधिकार) के जवाब से खुलासा हुआ है कि देश में करीब हर चौथा जनधन खाता निष्क्रिय है, जबकि करोड़ों खातों में कोई राशि जमा नहीं है। ये आंकड़े योजना की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर इसके उपयोग पर सवाल खड़े करते हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ को दी गई जानकारी के अनुसार, 12 अगस्त तक देशभर में पीएमजेडीवाई के कुल 59.03 करोड़ से अधिक खाते थे, जिनमें 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा थी। हालांकि, चिंताजनक बात यह है कि इन खातों में से 15.36 करोड़ खाते निष्क्रिय पाए गए। इसके अलावा, 5.72 करोड़ से अधिक खातों में कोई राशि जमा नहीं थी, यानी वे शून्य-बैलेंस वाले खाते हैं। अगस्त, 2014 में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को बैंक खाते तक पहुंच प्रदान करना है।

घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर, आम जनता को मिली राहत, 19 किलो वाले सिलेंडर में मामूली वृद्धि से होटल-रेस्टोरेंट का बजट बिगड़ा

मुंबई। भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता और परिवारों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी तेल मार्केटिंग ने घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, कमर्शियल इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के बड़े गैस सिलेंडरों की कीमतों में 1 सितंबर को 9.50 से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिसका असर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग बिजनेस पर पड़ रहा है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद, सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने आम उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रखे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 95 डालर प्रति बैरल से ऊपर निकल जाने और आयात लागत बढ़ने के कारण ही वाणिज्यिक गैस के दाम बढ़ाए गए हैं। वर्तमान में, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और मुंबई में 941.50 रुपये पर उपलब्ध है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 2,747.50 रुपये है। इस बीच पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीएसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच घरेलू एनपीजी की खपत 15.9 फीसदी 11.3 मिलियन टन रह गई है। देश में तेजी से फैल रहा पीएनजी नेटवर्क, 940 से 1000 रुपये के बीच का मौजूदा उच्च बेस प्राइस और सब्सिडी खत्म होने या कम होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधन की ओर वापसी, इस गिरावट के मुख्य कारण हैं।

फाक्सवैगन की सबसे बड़ी छंटनीः 1 लाख नौकरियों पर संकट

बर्लिन। जर्मनी की दिग्गज कार कंपनी फाक्सवैगन अपने इतिहास के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है, जिसने इस दशक के अंत तक करीब 1 लाख कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। यह वैश्विक आटो उद्योग के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी छंटनी मानी जा रही है। कंपनी के कुल वैश्विक कार्यबल का करीब 15 प्रतिशत प्रभावित होगा, जिसमें पहले से तय 50,000 नौकरियों की कटौती के अतिरिक्त अब 50,000 और पद समाप्त किए जाएंगे। इस कड़े कदम के पीछे अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की धीमी पड़ती मांग और चीन से मिल रही कड़ी चुनौती को मुख्य वजह बताया जा रहा है।

अगले सप्ताह 15 नए आईपीओ की लान्चिंग, 9 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली

कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 15 कंपनियां अपने आईपीओ लान्च कर रही हैं। इनमें 11 कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह चार सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एकआईपीओ में भी इस सप्ताह आठ सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह नौ कंपनियां स्टाक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सात सितंबर को प्रणव कंस्ट्रक्शंस का 351.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में नौ सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 118 रुपये प्रति शेयर से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 120 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सात सितंबर को प्रणव कंस्ट्रक्शंस का 351.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में नौ सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 118 रुपये प्रति शेयर से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 120 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन अपना लाजिस्टिक्स का 34.14 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी नौ सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का फाइन इश्यू प्राइस तय किया गया है, जबकि लाट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन आठ सितंबर को कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का 1,055.74 करोड़ रुपये का आईपीओ

सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 10 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 601 रुपये प्रति शेयर से लेकर 632 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 23 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन प्रसोल केमिकल्स का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी दस सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 643 रुपये प्रति शेयर से लेकर 676 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 22 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

आठ सितंबर को ही ग्लास वाल सिस्टम्स का 427.89 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 10 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 172 रुपये प्रति शेयर से लेकर 182 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 82 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन नौ सितंबर को रेंटोमोजो लिमिटेड का 1,255.57 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 384 रुपये प्रति शेयर से लेकर 404 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 37 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी का 732.97 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 132 रुपये प्रति शेयर से लेकर 139 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 107 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

नौ सितंबर को ही मणिपाल पेंमेंट एंड आईडेंटिटी साल्यूशंस का 805 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस इश्यू में भी 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 322 रुपये प्रति शेयर से लेकर 339 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 44 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के तीसरे दिन यानी ही एलसीसी प्रोजेक्ट्स का 427.14 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च होगा। इस इश्यू में भी 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 139 रुपये प्रति शेयर से लेकर 146 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 102 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन कर्मतारा इंजीनियरिंग लिमिटेड का 875 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च होगा। इस इश्यू में भी 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 241 रुपये प्रति शेयर से लेकर 254 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 59 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। नौ सितंबर को ही इनफ्रैक्स रिन्यूएबल का 40.88 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च होगा। इस इश्यू में भी 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी।

केला निर्यात बढ़ाने को एफडीआई में ढील, बागान क्षेत्र में उदार होंगे नियम

नई दिल्ली

सरकार देश के बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसका मुख्य लक्ष्य केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाकर उनके निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, चाय, काफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागानों में स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि अन्य बागान गतिविधियों को इससे बाहर रखा गया है।

वाणिज्य मंत्रालय वाणिज्यिक फसलों को एफडीआई के दायरे में लाने पर कर रहा विचार

सरकार अब इस दायरे का विस्तार कर केले जैसी फसलों को शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक है, जहां सालाना तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन होता है, लेकिन वैश्विक निर्यात बाजार में इसकी हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डालर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 30 फीसदी अधिक था। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक अरब डालर तक पहुंचाना है। एफडीआई से प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लाजिस्टिक्स में निवेश बढ़कर निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, वहीं ईरान, इराक, यूएई जैसे मौजूदा बाजारों के अलावा अमेरिका, रूस और जापान में भी निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में निकाले 10,289 करोड़ रुपये

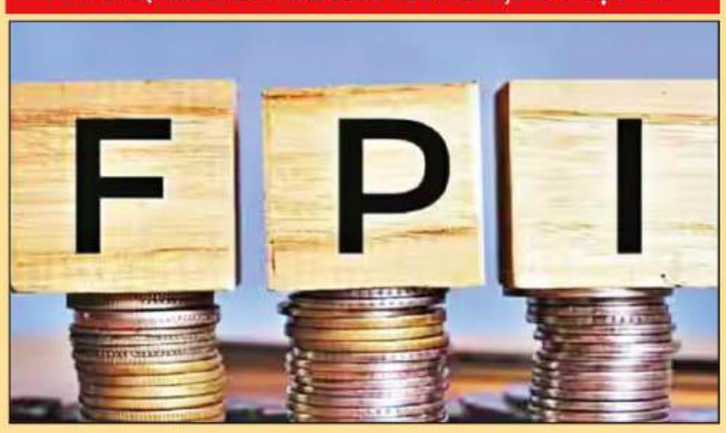

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 10,289 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाई गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। तीन महीने लगातार पूंजी लगाने के बाद एफपीआई बाजार में बिकवाल दिखे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।सितंबर में अबतक एफपीआई ने इक्विटी में 7,443 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है यानी कम हुआ है जबकि म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं।हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई सितंबर में अब तक 2,522 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। डेट से उन्होंने 390 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं म्यूचुअल फंड में एफपीआई ने 67 करोड़ रुपये लगाये हैं। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने अब तक 1,57,639 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,31,886 करोड़ रुपये की निकासी की है।

टाटा मोटर्स का इटली के इवेको ग्रुप के लिए 34,000 करोड़ का अधिग्रहण ऑफर

3.82 अरब की डील से ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स ने वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने इटली की मशहूर कमर्शियल व्हीकल कंपनी इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए एक आल-कैश वालंटरी टेंडर आफर पेश किया है। यह महत्वाकांक्षी अधिग्रहण लगभग 3.82 अरब यूरो (लगभग 34,000 करोड़ रुपये) का है, जिससे भारतीय आटोमोबाइल दिग्गज का वैश्विक दबदबा काफी बढ़ जाएगा। टाटा मोटर्स अपनी नीदरलैंड्स स्थित कंपनी टीएमएल सीवी होल्डिंग बीवी के माध्यम से इवेको ग्रुप के सभी शेयर खरीदने के लिए यह प्रस्ताव लेकर आई है। कंपनी ने इवेको के एक शेयर की कीमत 14.10 यूरो तय की है। इस सौदे को इटली के मार्केट रेगुलेटर कान्साब से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जो इसकी राह आसान करता है। टाटा मोटर्स और इवेको ग्रुप के संयुक्त बयान के अनुसार, यह टेंडर आफर 7 सितंबर से 26 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इवेको ग्रुप के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स ने इस सौदे को अपनी पूरी मंजूरी देते हुए शेयरधारकों से आफर स्वीकार करने की सिफारिश की है। इवेको की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी एक्सोर, जिसके पास 27.06 फीसदी कामन शेयर और

43.19 फीसदी वोटिंग अधिकार हैं, उसने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करने का वादा किया है। इस विलय के बाद वैश्विक कमर्शियल व्हीकल मार्केट में एक नया और मजबूत मंच तैयार होगा। अनुमान है कि संयुक्त इकाई की सालाना बिक्री 5,90,000 यूनिट्स से अधिक और कुल राजस्व लगभग 21 अरब यूरो (लगभग 2.28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) होगा। खास बात यह है कि दोनों कंपनियों के कारोबार और भौगोलिक मौजूदगी में कोई टकराव नहीं है, जिससे एसवायएनइआरजीवाय का पूरा लाभ मिलेगा। नई इकाई के राजस्व का वितरण काफी संतुलित होगा, जिसमें यूरोप से लगभग 46 फीसदी, भारत से करीब 32 फीसदी, दक्षिण अमेरिका से 8 फीसदी और बाकी दुनिया के बाजारों से लगभग 14 फीसदी राजस्व आने की उम्मीद है। यह एकीकरण दोनों कंपनियों को लागत और अनुसंधान खर्चों को बड़े पैमाने पर साझा करने, परिचालन क्षमता में सुधार करने और कमर्शियल व्हीकल सेक्टर के उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करेगा। सौदे को पूरा करने के लिए कम से कम 95 फीसदी कामन शेयरों की मंजूरी आवश्यक है, हालांकि कुछ शर्तों के तहत यह 80 फीसदी तक घट सकती है।

खाद्य तेलों का मिलाजुला रुख, कहीं उछाल तो कहीं गिरावट

आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली से सोयाबीन तेल टूटा, औद्योगिक मांग ने पाम-पामोलीन को सहारा दिया

नई दिल्ली

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के दबाव में सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट आई, वहीं औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में तेजी दर्ज की गई। घरेलू मंडियों में सोयाबीन तिलहन की कम आवक के चलते इसमें मामूली सुधार हुआ, जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जो दैनिक मांग

(2.5-3 लाख बोरी) से काफी कम है। इसके बावजूद, आयातक बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चालू रखने के लिए लागत (125 रुपये/किलो) से लगभग 5 फीसदी नीचे, 118.50 रुपये/किलो पर सोयाबीन तेल बेच रहे हैं। यह उनकी गंभीर आर्थिक स्थिति दर्शाता है, जिसके चलते सोयाबीन तेल में गिरावट आई। ऊंची कीमतों पर कमजोर मांग से बिनौला तेल भी सस्ता हुआ। दूसरी ओर, बढ़ती औद्योगिक मांग और अन्य खाद्य तेलों से सस्ता होने के कारण पाम-पामोलीन में मजबूती देखी गई। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में स्थिरता बनी रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 16,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 6,700-6,750 रुपये और 6,550-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग होने के बावजूद ऊंचे दाम पर कामकाज प्रभावित रहने से बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 400 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

वनडे वर्ल्ड कप के हिटमैन रोहित शर्मा, रिकार्ड्स की दुनिया में सचिन-वार्नर को भी छोड़ा पीछे

28 मैचों में 1575 रन, रिकार्ड 7 शतक और 54 छक्के

विश्व कप इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रोहित

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, शानदार टाइमिंग और बड़े मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के कारण हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित ने विश्व कप के मंच पर कई ऐसे रिकार्ड बनाए हैं, जो उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में विशेष स्थान दिलाते हैं। रोहित शर्मा अब तक 2015, 2019 और 2023 के तीन वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 मुकाबलों में 60.57 की शानदार औसत से कुल 1575 रन बनाए हैं। विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रोहित चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज मौजूद हैं।

विश्व कप में रोहित की सबसे बड़ी ताकत बड़े स्कोर और शतक लगाने की उनकी क्षमता रही है। वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकार्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने केवल 28 मैचों में 7 शतक लगाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 6 अर्धशतक भी दर्ज हैं। रोहित का विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 140 रन है। उन्होंने यह यादगार पारी 2019 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। शतकों के मामले में रोहित ने सचिन तेंदुलकर और आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम विश्व कप में 6-6 शतक दर्ज हैं। छक्के लगाने के मामले में भी रोहित शर्मा का दबदबा कायम है। वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी उनके नाम है। रोहित ने विश्व कप मुकाबलों में अब तक 54 छक्के लगाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ा है, जिनके नाम विश्व कप में 49 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा के ये आंकड़े साबित करते हैं कि वनडे विश्व कप के मंच पर उनका बल्ला हमेशा विपक्षी गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट के मैदान पर कद का अनोखा मुकाबला, कोई 5 फीट से भी छोटा तो कोई 7 फीट से ज्यादा; दोनों ने बनाया खास मुकाम

नई दिल्ली। क्रिकेट में जब लंबे कद की बात होती है तो अक्सर तेज गेंदबाजों की तस्वीर सामने आती है, जो अपनी लंबाई का फायदा उठाकर गेंद में अतिरिक्त उछाल पैदा करते हैं। हालांकि, क्रिकेट का इतिहास यह भी बताता है कि इस खेल में सफलता के लिए कद नहीं, बल्कि तकनीक, मानसिक मजबूती और प्रतिभा ज्यादा मायने रखती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे खिलाड़ी भी रहे हैं, जिनके कद में जमीन-आसमान का अंतर था, लेकिन दोनों ने अपनी अलग खूबियों से पहचान बनाई। क्रिकेट इतिहास में सबसे छोटे कद के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज क्रूगर वैन विक का नाम लिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वैन विक घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उस समय दक्षिण अफ्रीकी टीम में दिग्गज विकेटकीपर मार्क बाउचर की जगह लगभग तय थी। ऐसे में बेहतर अवसर की तलाश में उन्होंने न्यूजीलैंड का रुख किया। वर्ष 2012 में उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। विकेट के पीछे उनका छोटा कद जरूर आकर्षण का केंद्र रहता था, लेकिन फुर्ती और तकनीक के दम पर उन्होंने नौ टेस्ट मैच खेले और 31 से अधिक की औसत से रन बनाए। उन्होंने साबित किया कि क्रिकेट में कद से ज्यादा कौशल और आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले शीर्ष तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में सफलता गति के साथ-साथ अनुशासन, नियंत्रण और स्विंग से मिलती है।

इतिहास के पन्नों में कुछ ऐसे महान तेज गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने अकेले दम पर विरोधी टीम की कमर तोड़ दी और एक ही टेस्ट मैच में 10 या उससे अधिक विकेट चटकाकर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। इस सूची में सबसे ऊपर न्यूजीलैंड के महान आलराउंडर सर रिचर्ड हैडली का नाम चमकता है। 1973 से 1990 के बीच अपने 86 टेस्ट मैचों में हैडली ने 431 शिकार किए, लेकिन उनकी असली महानता 9 बार एक ही मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने से झलकती है। हैडली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15/123 रहा और उन्होंने 36 बार एक पारी में 5 विकेट भी लिए। आंकड़ों के लिहाज से इंग्लैंड के सिडनी बर्न्स का नाम अनूठा है। 1901 से 1914 के छोटे से दौर में बर्न्स ने सिर्फ 27 टेस्ट मैच खेले, लेकिन इनमें 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उनका गेंदबाजी औसत महज 16.43 का रहा और उन्होंने कुल 189 विकेट लिए, जिनमें 24 बार एक पारी में 5 विकेट और सर्वश्रेष्ठ 17/159 शामिल हैं। आस्ट्रेलिया के डेनिस लिली उस दौर के गेंदबाज थे, जिनकी दहाड़ से बल्लेबाज सहम जाते थे। 1971 से 1984 के बीच 70 टेस्ट मैच खेलने वाले लिली ने अपने करियर में कुल 355 विकेट झटके। उन्होंने भी सिडनी बर्न्स की तरह ही 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान बनाया। 23 बार एक पारी में 5 विकेट लेने वाले लिली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11/123 रहा।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए शमी की होगी टीम इंडिया में वापसी, दिलीप ट्राफी फाइनल के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली। लंब समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इसी माह 27

सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही सीरीज में वापसी हो सकती है। इसका कारण ये है कि इसी दौरान एशियाई खेल भी होंगे जिसके करण कई प्रमुख गेंदबाज उसमें शामिल होने चले जाएंगे। इससे शमी की एकदिवसीय टीम में वापसी की संभावना बन रही है। भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। इसका कारण ये है कि भारतीय टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाज उस समय एशियाई खेलों के लिए जापान में होंगे। जापान में 19 सितंबर से एशियाई खेल शुरू होने हैं, जिसके कारण ही जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा इस सीरीज में शामिल नहीं होंगे। ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार जैसे तेज गेंदबाजी विकल्प हैं पर यदि टीम में चार तेज गेंदबाजों की जरुरत रही तो शमी को मिल सकती है जगह। इसका कारण ये है कि बुमराह के नहीं होने से भारतीय टीम के पास अधि अनुभव वाले तेज गेंदबाज नहीं रहेंगे।

भारत ने मलेशिया को 11-1 से हराया, जूनियर एशिया कप में लगातार दूसरी जीत

मोकी (चीन)

भारत की जूनियर महिला हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए एलीट पूल के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम अब 8 सितंबर को अपने तीसरे पूल मुकाबले में जापान का सामना करेगी।

दो बार की चैंपियन और मौजूदा विजेता भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराने के बाद इस मैच में और अधिक आत्मविश्वास तथा बेहतर तालमेल का प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में तेज आक्रमण किया तथा पेनल्टी कार्नर का भी प्रभावी इस्तेमाल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में खाता खोला। पूजा साहू ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद आठवें मिनट में बिनीमा धान ने गोल किया, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। 17वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 21वें मिनट में सुखवीर कौर और 28वें मिनट में गीता यादव ने गोल किए। हाफ टाइम तक भारत 7-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में मलेशिया को 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने एकमात्र गोल दिलाया। हालांकि, यह गोल भारतीय टीम की लय को प्रभावित नहीं कर सका। 42वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे पूजा साहू ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल पूरा किया। इसके अगले ही मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 9-1 कर दी।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा। 53वें मिनट में गीता यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में सानिका ने एक और गोल दागकर भारत की जीत का अंतर 11-1 कर दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अपने दोनों मैच जीतकर छह अंक हासिल कर लिए हैं और एलीट पूल की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

वनडे में उम्रदराज शतकवीरों का जलवा, 43 साल की उम्र में खुर्रम खान ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर उम्र कई बार सिर्फ एक आंकड़ा साबित हुई है। खासकर वनडे क्रिकेट में जहां युवाओं की फुर्ती, तेज रनिंग और आक्रामक बल्लेबाजी को अहम माना जाता है, वहीं कई अनुभवी खिलाड़ियों ने उम्र के ढलते पड़ाव पर भी अपनी शानदार बल्लेबाजी से इतिहास रचा है। इन खिलाड़ियों ने साबित किया कि अनुभव, तकनीक और आत्मविश्वास के दम पर बढ़ती उम्र के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रदर्शन किया जा सकता है। वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची इसका बेहतरीन उदाहरण है। इस सूची में सबसे ऊपर संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व कप्तान खुर्रम खान का नाम आता है। 30 नवंबर 2014 को दुबई के आईसीसी एकेडमी मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में खुर्रम खान ने 43 साल और 162 दिन की उम्र में नाबाद 132 रन की शानदार पारी खेली थी। वनडे इतिहास के 3558वें मुकाबले में खेली गई इस पारी के साथ उन्होंने सबसे अधिक उम्र में वनडे शतक लगाने का रिकार्ड अपने नाम किया। उनकी बल्लेबाजी ने यह संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव और आत्मविश्वास उम्र की सीमाओं को पीछे छोड़ सकते हैं। श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या भी इस सूची में शामिल हैं। 28 जनवरी 2009 को दांबुला में भारत के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 212 दिन की उम्र में 107 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 2806वें मुकाबले में जयसूर्या ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उनकी पारी ने साबित किया कि उम्र बढ़ने के बावजूद बड़े शाट खेलने की क्षमता और आत्मविश्वास बरकरार रखा जा सकता है। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने भी उम्र के इस पड़ाव पर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। 27 फरवरी 2019 को सेंट जार्जेस में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 159 दिन की उम्र में 162 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 4099वें मैच में गेल ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लिश गेंदबाजों को जमकर परेशान किया।

श्रीकांत ने अगरकर-गंभीर पर उठाए सवाल

अफगानिस्तान से हार के डर में फुल स्ट्रेंथ टीम चुनी

नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होने जा रही है। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज से पहले भारतीय टीम के चयन को लेकर पूर्व चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

उनका मानना है कि हाल में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद चयनकर्ताओं ने अफगानिस्तान के खिलाफ जोखिम नहीं लेने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम चुनी है। भारत ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए अपनी मजबूत टीम घोषित की है। यही टीम आगामी एशियन गेम्स में भी हिस्सा लेने वाली है।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि आयरलैंड और इंग्लैंड में टी20 सीरीज हारने के बाद चयनकर्ताओं ने कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया। उनके मुताबिक अफगानिस्तान जैसी टीम के खिलाफ युवा खिलाड़ियों को मौका देकर भविष्य की टीम तैयार करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय पूरी ताकत वाली टीम चुनी गई। श्रीकांत ने इसे हताशा में लिया गया फैसला बताते हुए कहा कि टीम लगभग वैसी ही है, जैसी इंग्लैंड के खिलाफ चुनी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि युवा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर क्यों नहीं दिया गया। पूर्व चयनकर्ता ने जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के चयन पर भी सवाल उठाए हैं। इन चारों खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें मैदान पर उतरने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा।

श्रीकांत ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी मैच फिटनेस साबित नहीं की है। उन्होंने सवाल किया कि केवल बेंगलुरु स्थित सेंटर आफ एक्सीलेंस में फिटनेस साबित करने के आधार पर उन्हें मैच के लिए फिट कैसे माना जा सकता है। उन्होंने हर्षित राणा का उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड दौरे पर उनके साथ जो हुआ, उससे स्पष्ट है कि मैच फिटनेस का अलग महत्व है। श्रीकांत ने हालांकि खिलाड़ियों की क्षमता पर सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि हर्षित राणा टी20 क्रिकेट में अच्छे गेंदबाज हैं।

मिलान में इटेलियन ग्रांट प्री में अवार्ड प्राप्त करते हुए

मिलान में इटेलियन ग्रांट प्री में फ्रांस के पियरे गेसली पोल पोजिशन हासिल करने के बाद अवार्ड प्राप्त करते हुए।

पूरन-नरेन के दम पर टीकेआर की जीत, प्लेआफ की उम्मीदें कायम

बारबाडोस

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 27वें मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 35 रन से हराकर प्लेआफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। केंसिंग्टन ओवल में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीकेआर ने कप्तान निकोलस पूरन की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में ट्राइडेंट्स की पूरी टीम 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई।

मुकाबले में बारबाडोस ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की शानदार पारी खेली। सलामी बल्लेबाज कालिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। कीरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन का योगदान दिया।

बारबाडोस की ओर से गुडाकेश मोती ने 3 विकेट लिए, जबकि मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट हासिल किया। 148 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की शुरुआत बेहद खराब रही। तीसरे ओवर में लगातार गेंदों पर ब्रैंडन किंग 16 रन और क्विंटन डी काक बिना खाता खोले आउट हो गए इसके बाद रिवाल्डो क्लार्क भी खाता नहीं खोल सके।

कप्तान क्रिस ग्रीन 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पावरप्ले के भीतर ही बारबाडोस का स्कोर 35 रन पर 4 विकेट हो गया। इसके बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा और बारबाडोस की पूरी टीम 18.3 ओवर में 112 रन पर आलआउट हो गई। जैकरी कार्टर और शेरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। डेनियल सैम्स ने दो छक्कों की मदद से 14 गेंदों पर 17 रन बनाए, जबकि सद्रैक डेसकार्टेस ने 16 रन का योगदान दिया।

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की जीत में सुनील नरेन और जेड गूली की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। सुनील नरेन ने 3.3 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। जेड गूली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट हासिल किया।

पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर हरमनप्रीत ने खुशी जतायी, टीम मुकाबले में पूरी ताकत से उतरी थी

दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम को ये सफलता एकजुट होकर खेलने से मिली। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में पाक को सात विकेट से हराया था जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि हमने इस मैच में भी प्रकार की ढ़ील न देते हुए पूरी ताकत से प्रयास किया था।

इस मुकाबले में भारतीय स्पिनरों श्री चरणी, प्रेमा रावत, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाक महिला टीम को

उसके अब तक के सबसे कम स्कोर 55 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद, भारतीय बल्लेबाजों ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को केवल तीन विकेट खोकर 8.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए बहुत अहम मुकाबला था। हम हमेशा आक्रामक रवैया अपनाने की बात करते हैं, और मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि सभी गेंदबाजों ने अपनी अेर से काफी अच्छा खेल दिखाया। हमले जो योजना बनाथी उसपर उन्होंने पूरी तरह से अमल किया और पिच के अनुसार गेंदबाजी की। इस जीत से

हरमनप्रीत ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने बतौर कप्तान अपना 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस उपलब्धि के साथ ही वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में यह रिकार्ड बनाने वाली विश्व की पहली क्रिकेटर बन गईं। अपनी उपलब्धि पर उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंच पाऊंगी। उम्मीद है कि मैं इसी तरह अच्छा प्रदर्शन जारी रखूंगी और टीम को आगे बढ़ाती रहूंगी। गौरतलब है कि भारतीय महिला टीम के 228 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से हरमनप्रीत 205 में शामिल रही हैं।

इस मैच में युवा स्पिनर श्री चरणी ने चार ओवर में केवल सात रन देकर तीन विकेट लेकर पाक बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गेंदबाजी कोच की सलाह को देते हुए कहा, मैं क्षेत्ररक्षण के अनुसार गेंदबाजी करना चाहती थी, जिससे गेंद पर ज्यादा प्रभाव डाल सकूं।

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से निराश नजर आयीं पर उन्होंने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले को सही करार दिया। फातिमा ने कहा, हमारी बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही। विकेट नया था और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे, क्योंकि हमें अपनी गेंदबाजी पर भरोसा था।

जानकारी

ब्लैक फूड खाएं, अच्छी सेहत और गोरा रंग पाएं

फिर चाहे बात कपड़ों को चुनने की हो या खाने की। पहली पसंद हमेशा ब्लैक ही रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी यह पसंद आपकी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है। शायद आपको इस बात की जानकारी नहीं होगी कि ब्लैक फूड का सीमित मात्रा में सेवन कई तरह की बीमारियों के इलाज में मदद करता है। साथ ही इसके सेवन से आप अपनी त्वचा की रंगत को गोरा भी बना सकते हैं। आइए ऐसे ही ब्लैक फूड के बारे में जानें जो आपकी सेहत के साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

काला नमक

काले नमक में सोडियम क्लोराइड, आयरन, कैल्शियम और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए यह ब्?लड प्रेशर और पाचन को ठीक रखता है। इससे शरीर में खून की कमी दूर होती है और हड्डियां मजबूत बनती है। नमक में मौजूद क्रोमियम एक्ने से लड़ता है और सल्फर त्वचा को साफ और कोमल बनता है। इसके अलावा काले नमक वाला पानी पीने से एग्जिमा और रैश की समस्या दूर होती है।

काले चने

काले चने में एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से आपकी पाचन क्रिया सही रहती है। काले चने केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि त्वचा के बहुत फायदेमंद होता है। चना खाकर चेहरे की रंगत को बढ़ाया जा सकता है।

ब्लैक बीन्स

बीन्स फॉस्फोरस, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम और पोटैशियम की भी अच्छा स्रोत है। साथ ही इसमें फैट की मात्रा तो कम होती ही है, और इससे शरीर के लिए आवश्यक ओमेगा-3 और ओमेगा-6 की पूर्ति भी होती है। ब्लैक बीन्स बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करते है और डायबिटीज से बचाने में मदद करते हैं। साथ ही आपके त्वचा की रंगत भी निखारती हैं।

काले अंगूर

काले अंगूर में ऐसे एंटी-आक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा काले अंगूर हमारे चेहरे की त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। काले अंगूर का सेवन करने से त्वचा में भी चमक आ जाती है और चेहरे पर होने वाले दाग धब्बों, झुर्रियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके सेवन से त्वचा जवां और निखरी हुई लगती है। इनमें मौजूद विटामिन सी स्किन सेल्स में जान भर देते हैं।

काली मिर्च

काली मिर्च में पेपरिन और प्रोटीन अधिक मात्रा में होते है। इससे वजन कम होता है और यह मसल्स मजबूत बनाने में फायदेमंद है। काली मिर्च में पाया जाने वाला पेपरिन पिगमेंटेशन को बढ़ाता है। इससे रक्त का संचार बढ़ता है तथा स्किन को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त होता है। काली मिर्च के उपयोग से त्वचा जवां बनी रहती है। काली मिर्च में मौजूद अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट त्वचा पर होने वाले दाग धब्बे और झुर्रियों से बचाते है।

अलग-अलग रंगों के फल और सब्जियों की अपनी अलग ही खूबी होती है। यह खूबियां ही उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। शरीर को भी उन फलों और सब्जियों की जरूरत होती है। जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होता है। गहरे लाल, गुलाबी और नारंगी रंग में फायटोकेमिकल भारी मात्रा में मिलते हैं। जो शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाते हैं। आइए जानें किस रंग के फल या सब्जी में कौन सी खूबी है और उसका हमारी सेहत पर क्या असर पड़ता है।

रंगीन पदार्थों में पोषक तत्व

फल और सब्जियां प्राकृतिक रूप से जितने रंगीन होते हैं, वे उतने ही अधिक स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। रंगीन फल या सब्जियों में बीटा-कैरोटीन, विटामिन बी समेत विभिन्न पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस बात को मानते हैं कि प्राकृतिक रंगों से भरपूर फल और सब्जी में एंटीऑक्सिडेंट विटामिन और मिनरल मौजूद होते हैं जो शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाते हैं। इसके अलावा अलग-अलग रंगों के खाद्य पदार्थ आपके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को फायदा पहुंचाते हैं।

हरे रंग के खाद्य पदार्थ

ब्रोकोली, गोभी, पालक जैसी हरी सब्जियों में विटामिन बी और मिनरल होते हैं। इनके सेवन से मानसिक तनाव कम होता है और प्रतिरक्षा प्रणाली भी मजबूत होती है। इसके अलावा हरे फल और सब्जियों में लूटिन नामक फायटोकेमिकल भी होते हैं, जो लीवर की रक्षा करते हैं। इसलिए हरे रंग को अपने नियमित आहार का हिस्सा बनाये।

लाल फल और सब्जियां

टमाटर, तरबूज, लाल-गोभी इस श्रेणी में आते हैं। इनमें फाइटोकेमिकल्स और लाइकोपीन नामक रसायन भी होता है । जो किसी भी प्रकार की आंतरिक क्षति या सूरज की किरणों से होने वाली त्वचा की क्षति से सुरक्षा करता है। इसके अलावा दिल की रक्षा भी करता है। स्ट्रॉबेरी, रसबेरी तथा बीटरूट में एंथोसायनिन पाए जाते हैं। यह फायटोकेमिकल्स का ही एक समूह है, जो उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है और डायबिटीज से जुड़ी समस्याओं से बचाव करता है।

पीले रंग सब्जियां और फल

पीले रंग के खाद्य पदार्थों में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता हैं, यह मुक्त कण का मुकाबला कर शरीर में सूजन को कम करने, एलर्जी को रोकने और स्वस्थ त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। पीले रंग के फल में कैरोटिनायड और विटामिन एक प्रचुर मात्रा में होता है। जो ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करते है। पीले रंग के खाद्य पदार्थों में नींबू, अनानास, पीली शिमला मिर्च, और अंगूर शामिल हैं।

रंगीन आहार सेहत का आधार

काले रंग के खाद्य पदार्थ

बेशक काले रंग के कपड़े लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन खान-पीने के मामले में काला रंग आमतौर पर लोगों को पसंद नहीं होता है। लेकिन यकीन मानिए, काले रंग के आहार आपके किडनी के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसलिए मुनक्का और काले जैतून को सेवन अपने आहार में करें। इसके अलावा काले रंग की गाजर में प्रचुर मात्रा में एंथासाइनीन पाया जाता है, जो शरीर में कोलेस्ट्राल को कम करता है।

जामुनी सब्जियां और फल

जामुनी फल-सब्जियों को अपने आहार में शामिल करना मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। इसके लिए अंगूर, प्याज, जामुनी रंग की पत्तागोभी, बैंगन आदि को अपने आहार में शामिल करें। इसके अलावा ब्लूबेरी एंटी-ऑक्सिडेंट को बहुत अच्छा स्रोत है। ये दिल की बीमारी और कैंसर की आशंका को कम करती हैं और शरीर में बैक्टीरिया को जमा होने से भी रोकती हैं।

सफेद सब्जियां और फल

सफेद रंग की सब्जियां आपके फेफड़ों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें विटामिन सी, बी कॉम्प्लेक्स, सल्फर आयरन, कैल्शियम, मैंगनीज, फास्फोरस भरपूर मात्रा में होता हैं। इसके अलावा आलू, लहसुन, सफेद मशरूम आदि का सेवन करने से उच्च रक्तचाप के रोगियों का ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है।

नारंगी सब्जियां और फल

नारंगी सब्जियां और फल नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ बीटा कैरोटीन से उच्च होते हैं, इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए भी प्रचुर मात्रा में होता है। प्लीहा को सुरक्षित रखने के लिए भी नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ खाने चाहिए । क्योंकि संतरों में पाया जाने वाला भरपूर मात्रा में विटामिन सी और कुछ मात्रा में विटामिन ए, प्लीहा के लिए अच्छा होता है। इसके अलावा गाजर, कद्दू, शक्करकंद जैसी सब्जियां में बीटा कैरोटीन आंखों और त्वचा के लिए अच्छा होता है।

मौसम के अनुसार फलों और सब्जियों का सेवन

स्वस्थ आहारों के सेवन से बहुत सी बीमारियों को खतरा कम हो जाता है। लेकिन इन सब आहारों को लेते समय एक बात का ध्यान रखना चाहिए। कि मौसम के अनुसार ही रंगीन सब्जियों और फलों का सेवन करें। मौसम के अनुसार ही सही मात्रा में व सही समय पर फलों का सेवन करें।

सुझाव

घर में छिपे बैक्टीरिया से आप भी हैं अंजान

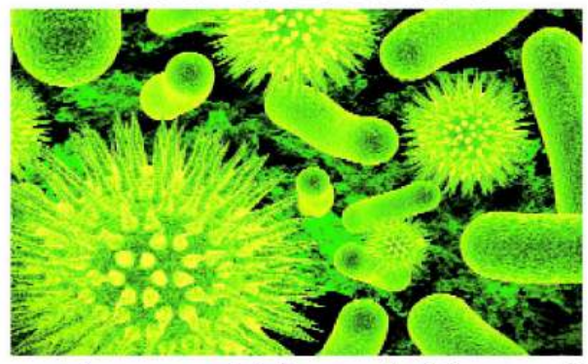

घर को साफ-सुथरा रखने के लिए यह जरूरी नही कि आप सुबह से लेकर शाम तक सफाई करती रहें या एंटीबैक्टीरियल स्प्रे से रूप को फ्रेश करती रहें। इसके लिए आपको छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी दे रहे हैं। जो आपके बहुत काम आएगी।

किचन में है सबसे ज्यादा बैक्टीरिया

एक सर्वे के अनुसार रसोई सबसे संक्रमित होती है। ग्लोबल हाइजीन कार्डसिल के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रसोई में इस्तेमाल के कपड़े, चाकू व चॉपिंग बोर्ड, फ्रिज के भीतर के हिस्से 60 से 90 प्रतिशत तक संक्रमित पाए गए हैं। घर में हाइजीन की कमी फूड प्वॉइजनिंग, डायरिया या जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने के अलावा अस्थमा के साथ-साथ जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों की परेशानी को भी बढ़ाने वाली होती है। इन जगहों और वस्तुओं की सफाई करने की जरूरत है।

बेड रूम और ड्राइंग रूम

कारपेट, दरी, परदे, सोफे की गद्दियां, सॉफ्ट टॉयस व कुशन आदि की नियमित सफाई करें। गीले कपड़ों को रसोई या फिर बाथरूम में लंबे समय तक न छोड़ें। रात में सोने से पहले गीले कपड़ों को अच्छी तरह निचोड़कर सुखाना नमी से पैदा होने वाले बैक्टीरिया को पैदा होने से रोकता है। खाने-पीने की चीजों के बिखरे हुए टुकड़ों को यूं ही न छोड़ें। तुरंत सफाई कर दें। घर में यदि पेड़-पौधे व गमले हैं तो उसके आसपास के हिस्से की भी नियमित सफाई करें।

बाथरूम भी है निशाने पर

टॉयलेट, खासतौर पर बेसिन, टॉयलेट सीट व ऐसा कोई भी हिस्सा जो शरीर के संपर्क में आता है, वहां से रोग फैलाने वाले बैक्टीरिया के संपर्क में आने की आशंका अधिक होती है। काई, फफूंदी, नमी, दरारें रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को तेजी से अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यदि बाथरूम में किसी छोटी-मोटी मरम्मत को लंबे समय से टाल रही हैं तो उसे ठीक कराने में ही समझदारी है। बाथरूम को अनावश्यक सामान से भरकर न रखें।

अन्य घरेलू वस्तुएं

गीले कपड़ों को खुला या बिखरा हुआ न छोड़ें। गीले कपड़ों पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इस्तेमाल के बाद शैंपू की खाली बोतल, पैकेट, फेसवॉश व अन्य बोतलों को फेंक दें। एक्सपायरी प्रोडक्ट्स को जमा करके रखने में कोई समझदारी नहीं है। साबुनदानी की भी नियमित सफाई करें। किनारों पर जमने वाली साबुन पर गंदगी की परत जमने लगती है, जिस पर बैक्टीरिया पैदा होते हैं। यदि संभव है तो हर छह माह बाद नया टॉयलेट ब्रश खरीदें। अपने टूथब्रश को भी हर तीन माह पर बदलें और ब्रश करने के बाद उसे अच्छी तरह से धोना न भूलें।

आपके सारे दांत खराब कर सकती हैं ये आदतें

हमने बहुत बार यह बात सुनी है कि दांतों के बिना खाने का कोई स्वाद नहीं। दांतो खराब हो जाएं तो चेहरे की सुंदरता भी बिगड़ जाती है। अपनी गलत आदतों के कारण भी दांत खराब हो जाते हैं। ज्यादा मीठा खाना और दांत अच्छे से साफ न करना इसके खास कारण हैं। वैसे तो साल में 1 बार दांतों के चिकित्सक के पास चैकअप जरूर करवाना चाहिए। वैसे तो एक उम्र के बाद व्यक्ति के दांत निकल जाते है । लेकिन समय से पहले इनका खराब होना और टूटना चिंता का विषय है। कुछ बातों का ध्यान रखकर इनको खराब होने से बचाया जा सकता हैं।

दांतों के खराब होने के कारण

ज्यादा बर्फ खाना

कई लोगों को बर्फ खाना पसंद होता है। वैसे तो इसे खाने से सेहत को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन रोजाना बर्फ के टुकडों को खाने से दांतों को नुकसान पहुंचता है और इनमें दरारें पड़ जाती है।

दांतों से ढक्कन खोलना

दांतों से प्लास्टिक के लिफाफे और बोतलों के ढक्कन खोलने से इनमें दरारें पड़ जाती हैं और दांत कमजोर हो जाते हैं। कई बार तो ढक्कन खोलते समय दांत टूट भी जाते है । इसलिए इनको खोलने के लिए हमेशा कैंची और ऑपनर का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

दांत रगड़ना

नींद की कमी और तनाव के कारण अक्सर लोग अपने दांतों को एक-दूसरे के साथ रगड़ते हैं। जिस वजह से दांत कमजोर हो सकते हैं। इस आदत को रोक पाना कई बार काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए दिन के समय दांतों से सख्त चीज चबाने से धीरे-धीरे इसे छोडा जा सकता है।

ज्यादा मीठा और स्टार्चयुक्त खाना

छोटे बच्चों को चॉकलेट, केक और आलू चिप्स खाने का बहुत शौंक होता है। कई बड़े लोगों में भी ये आदत देखने को मिलती है। इससे दांतों में कीड़ा लग जाता है जो धीरे-धीरे दांतों को पूरी तरह खराब कर देता है।

पैन या पैंसिल चबाना

कई लोगों को काम के समय पैन या पैंसिल चबाने की आदत होती है। छोटे बच्चों को अक्सर पढ़ते समय पैंसिल चबाते देखा जाता है। ऑफिस में काम करने वाले कुछ लोग सोचते वक्त पैंसिल मुंह में डालते हैं। तनाव या परेशानी में भी लोग पैंसिल चबाते हैं। इस आदत को रोकने के लिए कम मीठे वाली च्युंगम को चबाना चाहिए।

गर्भधारण में समस्या बन सकता है मोटापा

ज्यादा वजन वाली महिलाओं को गर्भधारण करने में थोड़ा अधिक समय लगता है। शोध के अनुसार, अगर पति-पत्नी दोनों ही वजनी या मोटे हैं, तो पत्नी को गर्भधारण करने में सामान्य लोगों से 55 से 59 फीसदी ज्यादा समय लगता है। उन्हें गर्भधारण करने में भी समस्या होता है। उचित खान-पान के साथ वजन कम करने और व्यायाम से उनके गर्भधारण करने की संभावना में नाटकीय रूप से सुधार आता है।

रेसिपी

पनीर काजू मखाना

सामग्री

200 ग्रा. पनीर, 2 टेबल स्पून मखाना, 50 ग्राम काजू पेस्ट (उबालकर पीसा हुआ), 2 टी स्पून अदरक का पेस्ट, 1 टी स्पून अदरक लंबे व पतले टुकड़ों में कटा हुआ, 2 टी स्पून कटी हुई हरी धनिया, 1 टी स्पून या स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर, 50 ग्राम कटे हुए टमाटर, 1 टी स्पून काली मिर्च पाउडर, 1/2 कप ताजा क्रीम, स्वादानुसार सेंधा नमक, शुद्ध घी।

विधि

एक पैन में घी डालकर गर्म करें। फिर टमाटर, नमक, अदरक पेस्ट, मिर्च पाउडर और काली मिर्च पाउडर डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। काजू का पेस्ट और एक कप पानी डालकर 5 मिनट तक दोबारा पकाएं। मखाने तल कर एक कप पानी में भिगो दें, फिर उन्हें ग्रेवी में मिलाकर पकाएं। पनीर डालकर ऊपर से ताजा क्रीम और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

कश्मीरी राजमा

सामग्री

250 ग्राम राजमा, 1/2 टी स्पून सोडा, 100 ग्राम मक्खन, एक चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून शाही जीरा, 1/2 टी स्पून सोंठ, 150 ग्राम दही, 1/2 टी स्पून गरम मसाला, स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर व नमक, 1 टी स्पून धनिया पाउडर, 1 टी स्पून बड़ी मसाला।

विधि

राजमा को पानी में सोडा मिलाकर रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पानी निकाल कर धो लें और प्रेशर कुकर में डालकर उबाल लें। पानी से निकालकर अलग रखें, लेकिन उबले हुए राजमा का पानी फेंकें नहीं। एक पैन को आंच पर रख कर गर्म करें। मक्खन डाल कर पिघलाएं। फिर फेंटा हुआ दही डालें। अब शेष मसाले डालकर अच्छी तरह चलाते हुए मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक पकाएं। उबले हुए राजमा और बचा हुआ राजमा पानी में से आधा कप पानी मिलाएं। ढककर लगभग 1-2 मिनट तक पकाएं। सर्व करने से पहले मक्खन डालें और प्लेन राइस के साथ गरमागरम सर्व करें।

खाली पेट चाय पीने की है आदत तो झेलनी पड़ेगी ये परेशानियां

चाय पीना बहुत-से लोगों को पसंद होता है और कई लोग तो अपने दिन की शुरूआत ही चाय की चुस्की से करते हैं। कई लोगों के लिए यह एक नशे की तरह होती है और अगर सारा दिन उन्हें चाय न मिले तो उनका सिर दर्द होने लगता है लेकिन सुबह खाली पेट चाय पीने से शरीर को कई नुकसान होते हैं। इसमें पाया जाने वाला कैफिन शरीर को एनर्जी तो देता है लेकिन खाली पेट चाय पीना कई बीमारियों को न्यौता देती है। आइए जानिए कैसे सुबह की चाय शरीर के लिए नुकसानदेह है।

1. प्रोस्टेट कैंसर

सुबह खाली पेट चाय पीने से प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है जो पुरूषों में पाई जाती है।

2. चिड़चिड़ापन

लोगों का मानना यह है कि सुबह के समय चाय पीने से शरीर में चुस्ती आ जाती है लेकिन यह बात गलत है। खाली पेट चाय का सेवन करने से सारा दिन थकान और स्वभाव में चिड़चिड़ापन बना रहता है।

3. एसिडिटी

दिन में एक-दो बार चाय पीना तो सही है लेकिन खाली पेट चाय पीने से पेट में गैस की समस्या हो जाती है। ऐसे में जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है उन्हें सुबह की चाय पीने से परहेज करना चाहिए।

4. जी मचलाना

चाय में काफी मात्रा में टैनिन पाया जाता है। खाली पेट चाय का सेवन करने से कई बार उल्टी या जी मचलाने जैसी समस्या हो सकती है।

5. मोटापा

खाली पेट चाय पीने से इसमें घुली चीनी भी शरीर के अंदर जाती है जो वजन बढ़ाने का मुख्य कारण है।

इन आसान घरेलू उपायों से पाएं निमोनिया से निजात

निमोनिया एक बहुत ही गंभीर बीमारी है जो ज्यादातर सर्दी के मौसम में होती है लेकिन आजकल बारिश के दिनों में भी इसके रोगी देखने को मिलते हैं। बारिश में भिगने के बाद व्यक्ति को ठंड लग जाती है जिस वजह से खांसी-जुकाम और कफ की समस्या हो जाती है। धीरे-धीरे यह बढ़कर निमोनिया का रूप धारण कर लेता है। इसके अलावा यह फेफड़ों में इंफैक्शन की वजह से भी हो जाता है। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए तो इससे फेफड़ों में पानी भर जाता है और सूजन आ जाती है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय करके इस बीमारी से निजात पाई जा सकती है। आइए जानिए इसके लक्षण और उपचार के बारे में

लक्षण : बलगम वाली खांसी,सांस लेने में तकलीफ,बुखार,सीने में दर्द,भूख कम लगना,

घरेलू उपाय

1. हल्दी और काली मिर्च: निमोनिया बुखार होने पर छाती में रेशा जमा हो जाता है और सांस लेने में काफी तकलीफ होती है। ऐसे में हल्दी, काली मिर्च, मेथी दाना और अदरक का पानी में उबाल कर काढ़ा बना लें और रोजाना इसका सेवन करें। इससे फेफड़ों की सूजन कम होगी और बुखार में भी आराम मिलेगा।

2. तिल के बीज : इसके लिए 300 मिलीलीटर पानी में 15 तिल के बीज, 1 चुटकी नमक, 1 चम्मच अलसी और 1 चम्मच शहद मिलाकर नियमित रूप से सेवन करें। इससे छाती में जमा कफ बाहर निकल जाएगा।

3. अदरक : रोजाना अदरक के रस का सेवन करने से भी फायदा होता है। इसके अलावा आप अदरक के टुकड़े को चूस भी सकते हैं।

4. शहद : खांसी होने पर शहद चाटने से आराम मिलता है। ऐसे में निमोनिया होने पर गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से फायदा होता है।

5. तारपीन तेल : तारपीन के तेल में कपूर मिलाकर हल्का गुनगुना करके उससे छाती पर मालिश करें। रोजाना रात को सोने से पहले इस तेल से मालिश करनी चाहिए।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**